संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 130
पृष्ठ 8
मंगलवार
28 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– फेशियल लेने के बाद...

विचार– महाकुंभ में मैत्री....

खेल– जसप्रीत बुमराह बने 2024....

उत्तराखंड ने रचा इतिहास...लागू हुआ यूसीसी

- सीएम ने किया पोर्टल और नियमावली का लोकार्पण

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में ढाई साल की तैयारियों के बाद आज इतिहास रच दिया। आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में यूसीसी के पोर्टल और नियमावली का लोकार्पण किया। वहीं, इसकी अधिसूचना भी जारी हो गई है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया। समान नागरिक संहिता के लिए 27 मई 2022 को विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट दो फरवरी 2024 को सरकार को सौंपी थी। इसके बाद आठ मार्च 2024 को विधानसभा में विधेयक पारित किया गया। विधानसभा से पास होने के बाद इस इसे राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए भेजा गया। यहां से 12 मार्च 2024 को इस अधिनियम पर राष्ट्रपति का अनुमोदन मिल गया। इसके बाद यूसीसी के क्रियान्वयन के लिए तकनीक आधारित व्यवस्थाएं लागू की गईं। नागरिकों और अधिकारियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल विकसित किए गए। बीती 20 जनवरी को यूसीसी की नियमावली को अंतिम रूप देकर कैबिनेट ने इसे पास कर दिया। बीते कई दिनों से इसके पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन को लेकर विभिन्न स्तरों पर मॉक ड्रिल भी चल रही थी। शुक्रवार को हुई मॉक ड्रिल में पहले आई समस्याओं को दूर कर लिया गया। दोपहर 12.30 बजे यूसीसी की नियमावली का भी लोकार्पण किया गया। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने कहा कि समिति ने कई सालों की मेहनत के बाद यूसीसी को तैयार किया है। यह हमारे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। समाज पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। पंजीकरण की प्रक्रिया को भी आसान किया गया है। यूसीसी समिति के अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह ने कहा कि पंजीकरण को आसान बनाया गया है। आप एक बार हमारे पोर्टल पर आइए। फिर आप सिस्टम के पास नहीं सिस्टम आपके पास आएगा।

उत्तराखंड से निकली यूसीसी की गंगा

सीएम धामी ने कहा कि यह हमारे प्रदेश क ही नहीं बल्कि देश के लिए भी एतिहासिक दिन है। यूसीसी रूपी गंगा को निकालने का श्रेय देवभूमि की जानता को जाता है। आज अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है। मैं आज भावुक भी हो रहा हूं। इसी क्षण से समान नागरिक संहिता लागू हो रही है। सभी नागरिकों के अधिकार सामान हो रहे हैं। सभी धर्म की महिलाओं के अधिकार भी समान हो रहे हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को भी धन्यवाद देता हूं उन्हीं के सहयोग से यह सब हो रहा है। जस्टिस प्रमोद कोहली और समिति का धन्यवाद करता हूं। विधानसभा के सभी सदस्यों का धन्यवाद है। आईटी विभाग और पुलिस गृह विभाग सबका धन्यवाद। जो हमने संकल्प लिया था। जो वादा किया था वह पूरा किया।

ढाई लाख लोगों से सीधे मिलकर इस मुद्दे पर उनकी राय जानी

इसमें महत्वपूर्ण पहलुओं पर जुलाई 2023 में एक मैराथन बैठक में विचार–विमर्श किया गया और इसे अंतिम रूप दिया गया। कमेटी को समान नागरिक संहिता पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से करीब 20 लाख सुझाव मिले हैं। इनमें से कमेटी ने लगभग ढाई लाख लोगों से सीधे मिलकर इस मुद्दे पर उनकी राय जानी है।

पहली बैठक 4 जुलाई 2022 को दिल्ली में

समिति ने बैठकों, परामर्शों, क्षेत्र के दौरे और विशेषज्ञों और जनता के साथ बातचीत के बाद मसौदा तैयार किया। इस प्रक्रिया में 13 महीने से अधिक का समय लगा। जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी पहली बैठक 4 जुलाई 2022 को दिल्ली में की थी।

संविधान हिंदुस्तान की हजारों साल पुरानी सोच का दस्तावेज : राहुल

महू, मप्र, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर कड़ा हमला करते हुए सोमवार को कहा कि इनकी विचारधारा संविधान विरोधी है और वे इसे खत्म करना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ती रहेगी। श्री गांधी ने मध्य प्रदेश के महू में सोमवार को श्जै बापू, जै भीम जै संविधान रैलीश को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदुस्तान में विचारधारा की लड़ाई चल रही है। एक तरफ कांग्रेस है जो संविधान को मानती है और इसके लिए लड़ रही है। दूसरी तरफ भाजपा आरएसएस है जो संविधान के खिलाफ हैं, इसे कमजोर करते हैं और खत्म करना चाहते हैं। संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, इसमें हिंदुस्तान की हजारों साल पुरानी सोच है। इसमें अंबेडकर जी, महात्मा गांधी जी, भगवान बुद्ध, फुले जी जैसे महापुरुषों की आवाज है।" आरएसएस पर संविधान पर सीधा हमला करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, "कुछ दिन पहले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा– हिंदुस्तान को 15 अगस्त, 1947 को आजादी नहीं मिली, वो झूठी आजादी थी।श ये सीधा संविधान पर आक्रमण है। भाजप ने लोकसभा

से पहले भी संविधान को खत्म करने की बात कही थी, इन्होंने कहा था कि अगर 400 सीटें आ गईं तो संविधान बदल देंगे। लेकिन उनके सामने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेता व कार्यकर्ता खड़े हुए। नतीजा ये हुआ कि लोक सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संविधान के आगे माथा टेकना पड़ा। याद रखिए जिस दिन संविधान खत्म हो गया, उस दिन देश के गरीबों के लिए कुछ नहीं बचेगा।" उन्होंने मीडिया को भी कटघरे में खड़ा करते हुए कहा, "ये जो मीडिया के लोग कैमरा लिए घूम रहे हैं– ये आपके नहीं हैं, ये अडानी–अंबानी का मीडिया है। आप भूखे मर जाएं, आपके बच्चे भूखे मर जाएं, किसान आत्महत्या कर लें लेकिन मीडिया को कोई फर्क नहीं पड़ेगा, ये अडानी–अंबानी की शादी दिखाएंगे। ये मीडिया वाले उनके हैं, उनकी नौकरी करते हैं। ये कभी हिंदुस्तान के किसानों–मजदूरों, बेरोजगार युवाओं की बात नहीं करेंगे। मीडिया में अफगानिस्तान और पाकिस्तान की बात होगी लेकिन हिंदुस्तान के किसानों और मजदूरों की बात नहीं होगी। ये लोग हिंदुस्तान को डराने में लगे हैं कि देखो अफगानिस्तान में क्या हो रहा है लेकिन ये नहीं बताएंगे कि हिंदुस्तान में क्या हो रहा है।"

दिल्ली एक बार फिर झाड़ू को ही चुनेगी : केजरीवाल

नयी दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पार्टी का घोषणा पत्र जारी करते हुए कहा कि यह दिल्ली की जनता को केजरीवाल की गारंटी है और पूरा भरोसा है कि दिल्ली की जनता एक बार फिर से झाड़ू को ही चुनेगी। श्री केजरीवाल ने घोषणा पत्र जारी करते हु कहा कि युवाओं को रोजगार, महिला सम्मान, संजीवनी और पुजारी–ग्रंथी योजना, पानी के गलत बिल माफ, डॉ. अंबेडकर स्कॉलरशिप, छात्रों की फ्री बस यात्रा और मेट्रो के किराए में 50 फीसद की रियायत समेत 15 गारंटी हम अगले पांच साल में पूरा करेंगे। इसके साथ ही, पहले से मिल रही मुफ्त बिजली, पानी, शिक्षा, इलाज, महिलाओं की बस यात्रा, बुजुर्गों की तीर्थयात्रा जारी रहेगी। ''आप'' की सरकार में हर परिवार को 25 हजार रुपए महीना फायदा हो रहा है। अगर कमल का बटन दब गया तो इतना अतिरिक्त बोझ बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हम लोग दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 'केजरीवाल की गारंटी' जारी कर रहे हैं। केजरीवाल की गारंटी का मतलब पक्की बात है। इसमें कच्ची बात कुछ भी नहीं होती है। जिस तरह ये लोग कभी संकल्प पत्र कहते हैं तो कभी कुछ कहते हैं। सबको पता है कि इनके संकल्प पत्र फर्जी होते हैं। जब लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि 15–15 लाख रुपए दूंगा। इसके एक–डेढ़ साल बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि वह चुनावी जुमला था। श्री केजरीवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस या दूसरी पार्टियां चुनाव में जो भी घोषणाएं करती है, वह चुनावी जुमले होते हैं। सभी अलग–अलग नाम से घोषणाएं करती हैं। हम लोगों ने गारंटी शब्द इस्तेमाल करना चालू किया तो अब इन लोगों ने भी गारंटी शब्द इस्तेमाल करना चालू कर दिया है। इन्होंने गारंटी शब्द को भी अब बर्बाद कर दिया है। यह केजरीवाल की गारंटी है, मोदी की गारंटी नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में सबसे कम बेरोजगारी है। राष्ट्रीय स्तर पर लगभग छह फीसदी बेरोजगारी है ।

वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी की मंजूरी, होंगे इतने संशोधन

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी संशोधनों को अपनाया और खंड–दर–खंड चर्चा में विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश किए गए हर बदलाव को खारिज कर दिया। संसदीय समिति की अगुवाई कर रहे बीजेपी सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि एनडीए सांसदों की ओर से पेश किए गए 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया गया जबकि विपक्ष की ओर से पेश किए गए सभी संशोधनों को खारिज कर दिया गया। कुछ संशोधनों में जिला मजिस्ट्रेटों के

साथ–साथ राज्य सरकार के अधिकारियों को कुछ भूमिकाओं के लिए नियुक्त करने की अनुमति देना और वक्फ ट्रिब्यूनल के सदस्यों को दो से बढ़ाकर तीन सदस्य करना भी शामिल है। खंड–दर–खंड मतदान में सत्तारूढ़ सरकार के 16 सांसदों ने संशोधनों के पक्ष में मतदान किया, जबकि 10 विपक्षी सदस्यों ने उनके खिलाफ मतदान किया। विधेयक के सभी 44 खंडों में शामिल विपक्ष के संशोधन, समान 10रू16 बहुमत से पराजित हो गए। जेपीसी ने घोषणा की कि मसौदा रिपोर्ट 28 जनवरी तक प्रसारित की जाएगी और फिर 29 जनवरी को औपचारिक रूप से अपनाई जाएगी। विपक्षी सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की आलोचना की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विकृत करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि यह एक हास्यास्पद अभ्यास था। हमारी बात नहीं सुनी गई। पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है।

जो पार्टी अंबेडकर का सम्मान नहीं कर सकती, वह दलितों की भलाई कैसे करेगी : भाजपा

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बाबा साहेब अंबेडर की प्रतिमा को खंडित करने को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधा है और कहा है कि जो सरकार बाबा साहब अंबेडकर का सम्मान नहीं कर सकती, वह दलित समाज की भलाई कैसे कर सकती है। भाजपा की दिल्ली प्रदेश इकाई ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें एक व्यक्ति बाबा साहब भीम राव अंबेडर की प्रतिमा पर चढ़ा हुए दिखाई दे रहा है। भाजपा ने इस वीडियो के साथ लिखा, "एक तरफ पूरे देश में बाबा साहब अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी जा रही है और भारतीय संविधान को सम्मानपूर्वक याद किया जा रहा है। वहीं, पंजाब के अमृतसर में एक व्यक्ति ने बाबा साहब अंबेडकर की 30 फीट ऊंची प्रतिमा को हथौड़े से क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की।" भाजपा ने लिखा, "चौंकाने वाली बात यह है कि यह घटना उस पंजाब में हुई है, जहां आम आदमी पार्टी सत्ता में है, जो खुद को बाबा साहब अंबेडकर की विचारधारा का समर्थक बताती है। दलित समाज के इस अपमान के लिए श्री अरविंद केजरीवाल जिम्मेदार हैं। जो सरकार बाबा साहब अंबेडकर का सम्मान नहीं कर सकती, उससे दलित समाज की भलाई की उम्मीद भी कैसे की जा सकती है?" इससे पहले भाजपा की दिल्ली प्रदेश इकाई ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री के पुराने सरकारी आवास (जिसे भाजपा शीश महल कहती है)

अमृतसर में अंबेडकर की मूर्ति से तोड़फोड़ के लिए माफी मांगे केजरीवाल : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पंजाब के अमृतसर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति से तोड़–फोड़ की शर्मनाक घटना हुई है और इसके लिए राज्य की आम आदमी पार्टी की सरकार जिम्मेदार है, इसलिए पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देश से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन तथा पंजाब के पूर्व मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह सिर्फ अंबेडकर की मूर्ति को तोड़ने की घटना नहीं है, बल्कि एक विचारधारा पर हमला है। इस घटना के लिए राज्य में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी जिम्मेदार है। यह हमला सिर्फ एक मूर्ति पर नहीं, बल्कि बाबा साहब की विचारधारा पर और हमारे संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक घटना नहीं है, बल्कि पूरी कड़ी है और हमलों की इन कड़ियों से साफ है कि जानबूझ कर ये हमले कराए जा रहे हैं। कल हुई घटना साफ तौर पर पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार की चूक है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आम आदमी पार्टी और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल हमेशा से ही बाबा साहेब और उनके संविधान का अपमान करते आए हैं। पंजाब हो या दिल्ली, इनकी संविधान विरोधी सोच ने हर बार लोगों की भावनाओं को आहत किया है।

त्रिवेणी के संगम पर होगा डेढ़ लाख करोड़ के अर्थ का महाकुंभ, काशी, विंध्याचल, अयोध्या तक होगा प्रवाह

प्रयागराज। महाकुंभ आस्था के संगम के साथ ही सांस्कृतिक व धार्मिक अर्थशास्त्र का नया इतिहास लिखेगा। महाकुंभ प्रयागराज के साथ ही पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई राह दिखाएगा। इससे प्रयागराज और आसपास के क्षेत्रों में साठ हजार करोड़ से डेढ़ लाख करोड़ तक की आर्थिक गतिविधियां होंगी। वहीं सरकार की सात हजार करोड़ खर्च करके 60 हजार करोड़ से अधिक की आय होने की संभावनाएं हैं। प्रयागराज के साथ ही अर्थ का पलट प्रवाह काशी, विंध्याचल और अयोध्या में भी होगा। महाकुंभ के दौरान बीएचयू के महाविद्यालय डीएवी पीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार मिश्र ने महाकुंभ की अर्थव्यवस्था का अध्ययन किया। इस अध्ययन के अनुसार औसतन एक व्यक्ति साढ़े सात से 10 हजार रुपये तक खर्च करता है। इसमें दैनिक खर्च एक हजार से 15 सौ रुपये के बीच है। इसमें से 60–70 फीसदी धार्मिक और आध्यात्मिक कारणों से आते हैं, जबकि एक छोटा हिस्सा सांस्कृतिक अनुभव और पर्यटन के लिए आता है। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं में सबसे अधिक संख्या 18–30 वर्ष और 31–50 वर्ष आयु वर्ग के लोग शामिल हैं। आंकड़ों के अनुसार लगभग 40–50 फीसदी लोग बार–बार आने वाले होते हैं। महाकुंभ का स्थानीय व्यवसायों पर सकारात्मक पड़ रहा है। लगभग 70 फीसदी श्रद्धालु धार्मिक वस्तुएं और स्थानीय भोजन खरीदते हैं। स्थानीय विक्रेताओं के अनुसार उनकी कुल आय का 51–75 फीसदी महाकुंभ के दौरान आता है। प्रो. मिश्र ने बताया कि लगभग 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। इनमें से 20 करोड़ से अधिक लोग औसतन तीन हजार प्रति व्यक्ति खर्च कर सकते हैं। इस अनुमान के अनुसार डेढ़ लाख करोड़ की आर्थिक गतिविधि उत्पन्न होने की संभावना है। तीन दिनों तक रोजाना पांच–पांच सौ श्रद्धालुओं से प्रश्न पूछे गए। प्रश्नावली में जनसांख्यिकी, यात्रा उद्देश्य, खर्च, अनुभव एवं संतुष्टि और सांस्कृतिक एवं धार्मिक विश्वास से जुड़े विषयों को शामिल किया गया। इसको 10 प्रतिभागियों के साथ पायलट परीक्षण के बाद अंतिम रूप दिया गया। इस अध्ययन के लिए मात्रात्मक क्रास सेक्शनल सर्वेक्षण दृष्टिकोण अपनाया गया। तीन आयु वर्ग (18–30 वर्ष, 31–50 वर्ष, 51–70 वर्ष, 71 वर्ष से अधिक) के श्रद्धालुओं का अध्ययन किया गया। एकत्र आंकड़ों का विश्लेषण सरल सांख्यिकीय उपकरणों और आर्थिक मॉडलों का उपयोग करके किया गया। महाकुंभ के दौरान अनुमानित साठ हजार करोड़ का धन प्रवाह स्थानीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डालेगा। यह धनराशि विभिन्न क्षेत्रों में निवेश और व्यय के माध्यम से रिपल इफेक्ट उत्पन्न करेगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। होटल, लॉज, गेस्ट हाउस और अस्थायी आवासों की मांग में जबरदस्त वृद्धि होगी, जिससे राजस्व में बढ़ोतरी होगी। सार्वजनिक (ट्रेन, बसें) और निजी (टैक्सी, ऑटो–रिक्शा) परिवहन सेवाओं का उपयोग बढ़ेगा। लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के कारण स्ट्रीट फूड विक्रेताओं, रेस्तरां और पैकेज्ड फूड व्यवसायों को लाभ होगा। धार्मिक वस्तुएं, स्मृति चिन्ह, और परिधान बेचने वाले स्थानीय दुकानदारों को बेहतर लाभ मिलेगा।

दिव्यांग बच्चों ने मनाया गणतंत्र दिवस

मथुरा। जगद गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग कल्याण संस्था फरह में गुरुवार को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्कूल के बच्चों ने देशभक्ति गीत मेरा रंग दे बसंती चोला, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल, जैसे गीत गाए और नृत्य किया। बच्चों ने कपड़े व कागज के तिरंगे बनाए। स्कूल प्रबंधक रवि दिनकर ने बच्चों को गणतंत्र दिवस के बारे में बताया। मुख्य अतिथि के रूप में एडवोकेट संजीव श्रीवास्तव, विधि सलाहकार जगदगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग कल्याण संस्थान एवं आराध्या श्रीवास्तव समाजसेविका तथा डॉ. कविता रायजादा. साइंस फैकल्टी दयालबाग आगरा, राष्ट्रकवि राम खिलाड़ी स्वदेशी एवं अध्यक्ष रवि दिनकर द्वारा ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात दृष्टि बाधित छात्र छात्राओं द्वारा राष्ट्रगान एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कुमारी दीक्षा कक्षा ने हमें 26 जनवरी पर भाषण के माध्यम से बच्चों को शहीदों के बारे में जानकारी दी और बताया कि हमारा संस्थान वह दृष्टि बाधित जो किसी कारण दिव्यांग बच्चे पढ़ लिख नहीं सकते हैं उनके लिए अगरबत्ती मोमबत्ती चौक बनाने का प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं ताकि वैसे हम अपना रोजगार स्थापित कर सकें और अपने पैरों पर खड़े हो सके, कुमारी दिव्या ने नित्य के द्वारा देशभक्ति गीत पर अपने अपने प्रदर्शन को प्रस्तुत किया, करण ठाकुर एक सुंदर सी कविता प्रस्तुत की गई कुमारी तान्या ने अपने भाषण के द्वारा संविधान के अर्थ को स्पष्ट किया इस कार्यक्रम के अवसर पर अनेक गढ़ मान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से खींची गई तस्वीरों में महाकुंभ मेले का दिखाई दिया अद्भुत नजारा

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजन को सिर्फ जमीन से ही नहीं बल्कि अंतरिक्ष से भी कैप्चर किया जा रहा है। इंटरनेशनल स्पेस सेंटर (आईएसएस) ने रविवार रात को अंतरिक्ष से कुंभ की आश्चर्यचकित कर देने वाली तस्वीरें कैद की हैं। इन तस्वीरों में महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। इसमें गंगा नदी के तट पर दुनिया का सबसे बड़ा मानव समागम रौशनी से जगमगा रहा है। इन तस्वीरों को आईएसएस से एस्ट्रोनॉट डॉन पेटिट ने एक्स पर शेयर किया है। तस्वीरों में मेले की भव्य रोशनी और विशाल मानव भीड़ ने गंगा नदी के किनारे को अनोखे दृश्य में बदल दिया। अंतरिक्ष से ली गई यह तस्वीरें पृथ्वी पर इस धार्मिक आयोजन की विशालता को दर्शा रही हैं। कुंभ दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा नदी में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति प्राप्त करते हैं। अब तक 13 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम स्नान कर इस सुखद और धार्मिक अनुभूति को महसूस कर सकें हैं तो वहीं यहां से आ रही तस्वीरों को देखकर पूरी दुनिया विस्मित है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ै) से खींची गई तस्वीरों में 2025 के महाकुंभ मेले का अद्भुत नजारा देखने को मिला। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और केमिकल इंजीनियर डोनाल्ड रॉय पेटिट, जो अपनी कक्षा में खगोल–फोटोग्राफी और इनोवेशन के लिए मशहूर हैं, ने इन तस्वीरों को खींचा। पेटिट अंतरिक्ष में बनाई गई पहली पेटेंटेड वस्तु जीरो कप के आविष्कारक भी हैं। पेटिट विगत 555 दिनों से आईएसएस में हैं और 69 वर्ष की आयु में नासा के सबसे वृद्ध सक्रिय एस्ट्रोनॉट हैं।

महाकुंभ आमंत्रण

अशोक सिंह बेशरम

प्रयागराज ससंगम तट से पवन पुत्रसाखी हो जिसे सहेज रहे।हम महाकुंभ का नेह निमंत्रण सबको सादर भेज रहे। जो पावन परम पुनीत धरा है ब्रह्मा जी की तपस्थली।सर्वस्व समर्पण की प्रतीक यमुना गंगा से जहां मिली।। जहां अखिलसृष्टि की रचना का आधार पुंज अक्षयवट है।वह तीर्थराज जगविदित जहां छलका पवन अमृत घट है।सर्वस्व दान की परंपरा के सूत्रधार थे हर्ष जहां।विख्यात त्रिवेणी सरस्वती का गुप्त मिलन उत्कर्ष जहां।। साधना भूमि भारद्वाज की हैं प्रमाण बेणीमाधव ।श्री,अनुज सहित सानिध्य हेतु आये थे जहां स्वयं राघव।। यह साधु,संत फकीरों की,तप मोक्ष,ज्ञान की धरती है। जहां मनकामेश्वर,सोमेश्वर प्रतिपल शिव कृपा बरसती है।।जो अखिल विश्वमानव मूल्यों के संसाधन की धरा धाम।है वेद, पुराणों में वर्णित जिसकी कीरति,महिमा ललाम।। फहराती सनातन धर्मध्वजा,यहां कोई भी ना परहेज रहे।हम महाकुंभ का नेह निमंत्रण संगम तट से भेज रहे।। जहां पंचकोश की परिक्रमा,पौराणिक स्मृतियां अनन्त।जहां पग–पग बरसे महा पुण्य,रग–रग में छाया हो बसंत।।अरैल में प्रभु जी की बैठक,सच्चा आश्रम नित वेद पाठ ।जहां सांझ ढले नित दिव्य आरती से आलोकित घाट–घाट।।यहां लोक कला साहित्य,संस्कृति की विविधा का लोकरंग। है कोटि–कोटि जन हृदय वसी,अध्यात्म,आस्था की उमंग।।स्मृतियां हैं जीवंत जहां रामायण, वेद,पुराणों की। जहां जयकारों की मंगल ध्वनि, गूंजे हैं तान नगडोंढ की।।जहां पांति पांति में भांति–भांति के तंबू डेरे बाड़े हैं। जिसकी रेती में रचे बसे,मठ मंदिर और अखाड़े हैं।।नारायण भी जिसकी महिमा का नित्य नित्य गुणगान करें।जहां मनुज,देव,नित संगम में आकर आस्था स्नान करें।।दर्शन मज्जन और पान किये नित तीन ताप मिट जाते हैं।अद्भुत पक्षी भी दर्शन को जहां दूर देश से आते हैं।।इस पुण्यधरा से हम निशि,वासर सबको यही सहेज रहे। हम महाकुंभ का नेह निमंत्रण संगम तट से भेज रहे।।

डॉ0 आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज को 26 जनवरी 2025 को राष्ट्रपति मेडल दिया गया सराहनीय सेवा पदक डॉ0आर के पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट को मिला

प्रयागराज। 17वर्ष 2021 अप्रैल से कमिश्नरेट प्रयागराज में घटित बड़े अग्निकांडों में फायर सर्विस प्रयागराज द्वारा डॉ0 राजीव कुमार पाण्डेय सीएफओ, कमिश्नरेट के नेतृत्व में प्रभावी कार्यवाही एवं उत्कृष्ट , सराहनीय कार्यों विवरण दिनांक 17–04–2021 बादशाही मंडी (इलेक्ट्रिक मार्केट) जानसेनगंज प्रयागराज में घटित अग्निकांड पर 05 व्यक्तियों को जो कि आग में घिरे हुए थे फायर सर्विस टीम द्वारा भवन के तीसरी मंजिल से एक्सटेंशन लैडर से सुरक्षित उतारा गया जिसमें एक विकलांग महिला भी रही दिनांक 28–04–2021 को मोहक अस्पताल चौराहा सीवर में फंसे 03 व्यक्तियों को सुरक्षित जीवित बाहर निकाला गया ।दिनांक 01–05–2021 को भारतीय स्टेट बैंक राजापुर प्रयागराज में घटित अग्निकांड भवन में फंसे 07 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया ।दिनांक 28–06–2021 को इंदिरा भवन सिविल लाइन प्रयागराज मे घटित अग्निकांड में कई व्यक्तियों को बचाया गया ।दिनांक 25–08–2021 को द्वारिका भवन बैंक ऑफ बड़ोदा जार्जटाउन प्रयागराज में घटित अग्निकांड में फायर सर्विस टीम द्वारा अत्यंत सूझबूझ एवं अथक परिश्रम से बैंक के संपूर्ण करेंसी चेस्ट को सुरक्षित बचाया गया। दिनांक 15–12–2021 को मां भगवती मदर एवं चाइल्ड केयर सेंटर कचहरी रोड प्रयागराज में घटित अग्निकांड पर आग में फंसे 09 व्यक्तियों को बचाया निकाला गया। दिनांक 02–01–2022 को प्रदीप ट्रेडर्स धूमनगंज प्रयागराज में घटित भीषण अग्निकांड में भवन के अंदर फंसे 08 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिनांक 14–01–2022 को संगम लिंक अपार्टमेंट बाघम्बरी गद्दी अल्लापुर प्रयागराज में घटित अग्निकांड में फंसे 09 व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिनांक 02–05–2022 को विकास भवन प्रयागराज में घटित अग्निकांड पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए जनधन की रक्षा की गई।दिनांक 17–07–2022 को कार्यालय महाधिवक्ता भवन (अंबेडकर भवन) मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में घटित भीषण अग्निकांड पर लगभग 11रू30 घंटे, 20 फायर टेंडर की सहायता से रिले पंपिंग करके लगातार फायर फाइटिंग की प्रभावी कार्यवाही संपन्न की गई। दिनांक 01–04–2023 को नेहरु काम्प्लेक्स चौक में लगी भीषण अग्निकांड में जनजीवन की रक्षा की गई अगल–बगल की दुकानों को सुरक्षित बचाया गया। दिनांक 24–04–2024 को रुद्राक्ष टावर में म्योहाल चौराहा पर आग लगी थी जिसमें डोमिनोज पिज्जा में पांच व्यक्ति और संस्कृति आईएएस की कोचिंग सेंटर से 50 बच्चों को सुरक्षित बचाया गया । दिनांक 01–05–2024 होटल मंदिरम साउथ मलाका के बेसमेंट में आग लगी थी जिसमें द्वितीय तल पर फंसे 12 व्यक्तियों कोसुरक्षित बचाया गया। दिनांक 19 – 01– 2025 को महाकुंभ मेला क्षेत्र में गीता प्रेस सेक्टर 19 के टेंटो में लगी भीषण अग्निकांड में अग्निशमन महाकुंभ मेला के साथ अपेक्षित सहयोग प्रदान करते हुए अग्निशमन कार्य त्वरित कार्यवाही करते हुए संपादित किया गया जिसमें कोई जनहानि नहीं हुई।

'छलक जाए ना दर्द दिल आंखों से, उतरे बात जो दिल में वही बात करो'

'विश्व जनचेतना ट्रस्ट व श्बज्म ए अहबाब की ओर कवि सम्मेलन एवं मुशायरा हुआ आयोजित'

'कवि शायर एवं समाजसेवियों को किया गया सम्मानित'

प्रयागराज। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य मेंसाहित्यिक एवं सांस्कृतिक एकता के रूप मेंश्विश्व जनचेतना ट्रस्टश व श्बज्म ए अहबाबश के संयुक्त तत्वावधान मेंकवि सम्मेलन एवं मुशायरा आयोजित किया गया। करैली स्थित अदब घर में 26 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम मेंसमाज और साहित्य मेंयोगदान देने वालों को सम्मानित भी किया गया, जिसकी अध्यक्षता सीनियर एडवोकेट एवं साहित्यकार एमए हसीन मुख्य अतिथि डॉ. जाहेदा खानम, विशिष्ट अतिथियों मेंऑल इंडिया रेडियो के पूर्व असिस्टेंट डायरेक्टर अशरफ अली बेग, चीफ पैसेंजर ट्रांसपोर्टेशन मैनेजर बसन्त कुमार शर्मा एवं पूर्व इंजीनियर पइंडियन टेलीफोन इंडस्ट्री लिमिटेड प्रदीप कुमार चित्रांशी रहे। कार्यक्रम मेंशायर और कवियों ने एक से बढ़ कर एक रचनाएं प्रस्तुत कीं। तशना कानपुरी ने श्तुम जिसको समझते हो सर शब्ज घराना है, एक दस्त है कांटों का पानी है न दाना है। सुना वाहवाही लूटी तो डॉ. राहुल शुक्लश ने श्जाति–धर्म के नाम पे देखो, बंटा हुआ परिवार, संविधान की शिक्षा खोकर, बन बैठा गुनहगार।श तलत महमूद ने श्छलक जाए ना दर्द दिल आंखों से श्बटोहीश उतरे बात जो दिल मेंबस वही बात करो।श सूना दाद बटोरी। फरमूद इलाहाबादी ने श्जिस्म दो , एक जान रहने दो। हिंदु मुस्लिम समान रहने दो।श सुनाया। बख्तियार यूसुफ ने श्आज यूसुफ से मोहब्बत की नजर मिल ही गई, बज्म मेंअब संग उलफत का जमा रह जायग, पेश किया। राम लखन चौरसिया ने श्किसे कहूँ मैं कोकिला, किसे कहूँ मैं काग, चेहरा चेहरा कालिखें दामन दामन दाग, । सुना खूब वाहवाही लूटी। संचालन फरमूद इलाहाबादी ने किया। शामिल होने वाले रचनाकारों मेंशाकिर हुसैन तशना, डॉ. राहुल शुक्ल, फरमूद इलाहाबादी, सुनिल दानिश, एडवोकेट बख्तियार यूसुफ, तलत महमूद, वरिष्ठ अधिवक्ता बख्तियार यूसुफ, रामलखन चौरसिया, हैदराबाद से आए शकील हैदराबादी, सलाह गाजीपुरी, सेलाल इलाहाबादी, सुहैल अखद्तर, प्रकाश सिंह अश्क, असद गाजीपुरी, अब्दुल रहमान, शाहिद अली शाहिद, एमए हसीन, डॉ. जाहेदा खानम, अशरफ अली बेग, बसन्त कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार चित्रांशी हसीन जीलानी, जीशान फतेहपुरी एवं परवेज अख्तर आदि ।

'प्रयागराज में होगा कृषि और ;षि का संगम भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का 26 से 29 जनवरी तक संगम पर किसान महाकुंभ'

मथुरा सभारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक का तीन दिवसीय किसान महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित किया जा रहा है।भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारी राज कुमार तोमर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रयाग राज में देशभर के लाखों किसान शामिल होंगे हमारा देश की धरोहर कृषि एवं ऋषि संस्कृति है।इस बार प्रयाग में कृषि एवं ऋषि का अनूठा संगम है।

किसान महाकुंभ में वैदिक कृषि को बढ़ाए जाने को लेकर भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक अखाड़ों के संतो के साथ भी चर्चा करेगी। किसानों की आय में वृद्धि,फसलों का लाभकारी मूल्य, मूल्य संवर्धन ,सस्ता कृषि ऋण,फसल बीमा योजना जलवायु परिवर्तन, संगठनात्मक ढांचा,सदस्यता अभियान जैसे अहम विषयों पर चर्चा कर समाधान ढूंढने का प्रयास करेंगे। किसान महाकुंभ के अंतिम दिन 29 जनवरी को किसान महापंचायत का आयोजन किया जाएगा।

गोकुल बैराज पर 13 हेक्टेयर में विकसित की जा रही वासुदेव वाटिका

डीएम ने गोकुल बैराज की अपस्ट्रीम 4533 लाख की लागत से बन रही वासुदेव वाटिका का किया निरीक्षण

डी एम ने निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्य स्थलों पर बड़े बड़े होर्डिंग लगवाने के दिए निर्देश

मथुरा। जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह के साथ गोकुल बैराज के अपस्ट्रीम की बांयी तरफ निर्माणाधीन वासुदेव वाटिका का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने गोकुल वाटिका के मानचित्र का गहनता से अध्ययन किया, निर्माणाधीन परियोजना की समयावधि, लागत तथा क्षेत्रफल की जानकारी ली। उपाध्यक्ष मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण ने अवगत कराया कि वासुदेव वाटिका की लागत रूपये 4533 लाख है, परियोजना की प्रारम्भ तिथि एक मार्च 2024 है तथा परियोजना का क्षेत्रफल लगभग 13 हैक्टेयर है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लायें तथा कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने ड्रेनेज की उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए अतिरिक्त विकल्पों के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने परियोजना में सोलर लाइट, सोलर पैनल तथा सोलर पम्प का प्रयोग करने हेतु निर्देशित किया। वासुदेव वाटिका को भव्य एवं आकर्षक बनाने हेतु रंगीन इंटरलॉकिंग टाइलों का प्रयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जो भी फुटपाथ बनाया जा रहा है, उसमें रंग बिरंगे थीम पर आधारित पैन्टिंग कराई जाये। डी एम ने निर्माणाधीन परियोजनाओं के कार्य स्थलों पर बड़े बड़े होर्डिंग लगवाने के निर्देश दिये, जिस पर परियोजनाओं के संबंध में सूचना तथा कार्यदायी संस्था का उल्लेख किया गया हो। जिलाधिकारी ने आस पास पड़ी मिट्टी के बारे में जानकारी ली, जिस पर उपाध्यक्ष ने अवगत कराया कि यहां की मिट्टी का प्रयोग इसी प्रोजेक्ट में किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने संपूर्ण परिसर का वृहद वृक्षारोपण तथा आकर्षक वृक्षों की थीम आधारित वृक्ष लगाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने वासुदेव वाटिका में एक स्थान चिन्हित करते हुए लोकल फूड स्ट्रीट बनवाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों के जलपान के लिए लोकल फूड स्ट्रीट अहम भूमिका निभायेगी। निरीक्षण के समय मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्याम बहादुर सिंह, अधिशासी अभियंता मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण प्रशांत गौतम, सहायक अभियंता मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण सर्वेश गुप्ता, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी आदि मौजूद रहे।

कुम्भ की गंगा–रीता

(कुण्डलिया)

भगवद्गीता, उपनिषद सूत्र वेद–वेदान्त।
जिज्ञासाओं को सदा,करते हैं ये शान्त।
करते हैं ये शान्त,बताते ऋषि मुनि साधू।
बनकर वह औजार, जिसे कहते हैं काधू।
सुन लो कहें प्रदीप, कुम्भ की गंगा–रीता।
करती है कल्याण, सुनाकर भगवद्गीता।।

कल्पवासियो ने कहा,कल्पवास के वक्त।
माया के अनुराग पर,अनुशासन है सख्त।
अनुशासन है सखह्त, यहाँ का मौसम कहता।
वर्षा हो या ठण्ड,सभी कुछ हँसकर सहता।
सुन लो कहें प्रदीप,यहाँ पर खुलकर हँस लो।
शेष जगह जंजाल, मिलेगा कल्पवासियों।।

डॉ0प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा मेले में आने वाले अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये विभिन्न मेला विशेष रेलगाड़ियों के संचालन की व्यवस्था की गयी है। इसी क्रम में समय - सारणीबद्ध निम्न रिंग रेल सेवा सहित आरक्षित, अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया जा रहा है, इसके अतिरिक्त अन्य मेला विशेष रेलगाड़ियों का संचालन आवश्यकतानुसार किया जायेगा।

दिनांक 28-01-2025 (मंगलवार) को चलने वाली समय-सारणीबद्ध मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची

गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान का समय	स्टेशन तक	आगमन का समय	मार्ग के अन्य स्टेशनों पर ठहराव
अनारक्षित रिंग रेल सेवा रेलगाड़ियों की सूची					
04111	प्रयागराज जं.	06:00	प्रयागराज जं.	18:50	प्रयागराज रामबाग, झूँसी, हंडिया खास, ज्ञानपुर रोड, माधो सिंह, बनारस, भदोही, जंघई, मड़ियाहू, ज़फ़राबाद, जौनपुर, शाहगंज, अकबरपुर, गोशाईंगंज, अयोध्या, अयोध्या कैंट, सुलतानपुर, माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़, मऊआइमा, फाफामऊ एवं प्रयाग
04112	प्रयागराज जं.	06:30	प्रयागराज जं.	21:00	
04113	प्रयागराज जं.	17:30	प्रयागराज जं.	07:45	
04114	प्रयागराज जं.	17:45	प्रयागराज जं.	08:00	
04109	गोविन्दपुरी	15:45	गोविन्दपुरी	07:00	कानपुर सेंट्रल, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़ रोड, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, रागौल, भरूआ सुमेरपुर, हमीरपुर रोड, घाटमपुर एवं भीमसेन
04110	गोविन्दपुरी	07:30	गोविन्दपुरी	21:30	
01803	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	12:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	09:00	चिरगाँव, मोठ, एट, उरई, काल्पी, पुखरायाँ, भीमसेन, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू, भरवारी, प्रयागराज जं., नैनी जं., शंकरगढ़, बरगढ़ रोड, डभौरा, मानिकपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, अतर्रा, बाँदा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर, निवाड़ी एवं ओरछा
01804	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	20:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	16:30	
अनारक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची					
01809	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	04:00	प्रयागराज छिवकी	14:45	ओरछा, बरुआसागर, निवाड़ी, मगरपुर, टेहरका, रानीपुर रोड, मऊरानीपुर, हरपालपुर, घुटाई, बेलाताल, कुलपहाड़, चरखारी रोड, महोबा, बरीपुर, कबरई, मटौंध, खैरार, बांदा, डिंगवाई, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, मानिकपुर, डभौरा, बरगढ़ रोड एवं शंकरगढ़
01810	प्रयागराज छिवकी	16:00	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	05:00	
01811	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	10:10	प्रयागराज छिवकी	22:50	
01812	प्रयागराज छिवकी	23:20	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	13:10	
01813	बांदा	19:10	कटनी	05:15	डिंगवाई, खुरहण्ड, अतर्रा, बदौसा, भरतकूप, शिवरामपुर, चित्रकूट धाम कर्वी, खोह, बहिलपुरवा, ओहन, सतना एवं मैहर
उत्तर मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली आरक्षित मेला विशेष रेलगाड़ियों की सूची					
01819	बीना	17:50	सूबेदारगंज	09:20	ललितपुर, टीकमगढ़, खरगापुर, महाराजा छत्रसाल (छतरपुर), खजुराहो, महोबा, खैरार, रागौल, भरुआ सुमेरपुर, घाटमपुर, गोविन्दपुरी, बिन्दकी रोड, फतेहपुर, खागा, सिराथू एवं भरवारी
01817	बीना	11:00	प्रयागराज छिवकी	02:50	ललितपुर, टीकमगढ़, खरगापुर, महाराजा छत्रसाल (छतरपुर), खजुराहो, सिंहपुर-डुमरा, महोबा, बांदा, अतर्रा, चित्रकूट धाम कर्वी, मानिकपुर एवं शंकरगढ़
02276	दिल्ली	09:30	सूबेदारगंज	19:40	अलीगढ़, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी एवं फतेहपुर
09015	कटनी	05:40	मानिकपुर	12:15	पटवारा, झुकेही, पकरिया रोड, अमदरा, भदनपुर, मैहर, उंचेहरा, लगरगवां, सतना, सगमा, जैतवार, खुटहा, चितहरा, मझगवां, टिकरिया, मारकुन्डी, बारामाफी एवं बांसपहाड़
09016	मानिकपुर	12:45	कटनी	20:50	
08248	रीवा	06:45	मानिकपुर	10:15	तुर्की रोड, बघई रोड, हिनौतारामवन, डभौरा, जैतवार एवं मझगवां
08247	मानिकपुर	11:15	रीवा	14:30	

नोट : रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं. 139, एनटीईएस ऐप रेल मदद वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 181/25 (AS)

गंगानगर के कविसम्मेलन में कवियों छंदबद्ध कविताएं सुनाकर वाहवाही लूटी

कानपुर। भारत के 76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गंगा नगर सहकारी आवास समीति ने परमिया पुरवा नवाबगंज स्थित समिति के पश्चिमी पार्क में समिति के संस्थापक राजाराम वर्मा एवं श्रीमती कृष्णा देवी की स्मृति में 26 जनवरी 2025 को भव्य समारोह के अंतर्गत समिति सभापति एडवोकेट श्रीमती विकास राजपूत ने झण्डा रोहण किया, राष्ट्रगान के बाद एकलव्य स्कूल सुखऊपुरवा के बच्चों ने अध्यापकों के सहयोग से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, समिति परिसर पर नवनिर्मित कृष्णा द्वार का लोकार्पण समिति के पदाधिकारियों ने किया।तत्पश्चात संपन्न विराट कविसम्मेलन की अध्यक्षता नवगीतकार जयराम जय ने तथा संचालन आंचलिक भाषा के सुमधुर गीतकार दिनेश नीरज ने किया। बुद्ध व वाणी वंदना से प्रारंभ हुए कवि सम्मेलन को उन्नाव के युवा कवि शिवांश सरस के मुक्तकों एवं राम पर प्रस्तुत गीत ने प्रारंभ से ही कविसम्मेलन का माहौल बना दिया।फतेहपुर से पधारे ओज के युवा कवि ने राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत छंद पढ़कर श्रोताओं में जोश भर दिया।वही प्रेम की कवयित्री गजलकार अनामिका अविरल ने कविसम्मेलन को ऊंचाई प्रदान की उन्होंने देश प्रेम पर गीत पढ़कर वाहवाही लूटी तो उनकी गजल भी खूब सराही गई।शिकोहाबाद के कवि प्रो. मुकेश सिंह के दुपट्टे पढ़े गये मुक्तको के साथ कानपुर के मुहल्लों के नाम प्रस्तुत गीत श्झाड़े रहो कलट्टर गंजश को तालियों के साथ सुना गया। साहित्यिक नगरी उन्नाव के कवि उमाशंकर निरूशक द्वारा बुजुर्गों की व्यथा तथा बेटी भ्रूण का मां से संवाद के लोकगीत खूब सराहे गये।कवि सम्मेलनों के मंचों पर अपनी उपस्थिति से हलचल पैदा करने वाली जानी मानी कवयित्री शिखा मिश्रा के मां पर प्रस्तुत मुक्तकों व गजलों से शमा बांध दिया। वही दिनेश नीरज ने सामाजिक व राजनीतिक विसंगतियों मुक्तको के साथ आंचलिक भाषा का गीत सुनाकर वाहवाही लूटी।अंत में कार्यक्रम अध्यक्ष गीतकार जयराम जय ने देश के नेताओं पर व्यंग्य गजल ष्अपने मन की बात करेंगे नेता जीष व नवगीत ष्अच्छे दिन आने वाले हैंष्सुनाकर श्रोताओ को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस कविसम्मेलन की विशेषता यह रही कि सभी कवियों ने छंदबद्ध कविताएं सुनाकर वाहवाही लूटी इससे स्पष्ट है मंच पर कविता लौट रही है। इस अवसरपर क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती कुंती, रामविलास निषाद, अनिल कुमार सोनी, उपाध्यक्ष,महेंद्र सिंह, महेश पांडे, इं. जी. सी. श्रीवास्तव, आर. डी. कटियार,संत कुमार कटियार, सुखनंदन वर्मा, प्रो. सुभाष चंद्रा,तेज नारायण भाष्कर जी(प्रबंधक डा.बी आर अम्बेडकर पब्लिक स्कूल),अजित कुमार चक्रवर्ती,प्रो लियाकत अली, दीपू श्रीवास्तव,विजय गुप्ता श्रीमती पाण्डे आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।अंत कार्यक्रम के संयोजक एवं समिति के संरक्षक एडवोकेट नरेन्द्र देव ने आगतों का आभार व्यक्त करते हुए सभी सेबाटी चोखा प्राप्त ग्रहण करने का अनुरोध किया।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया

मिर्जापुर। रामचन्द्र शुक्ल शिक्षण संस्थान, रमई पट्टी, मिर्जापुर में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा

ने ध्वजारोहण करने के बाद अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक देश है। विशिष्ट अतिथि आनंद अमित ने कहा कि भारत एक ऐसा राष्ट्र है जिसमें सबकुछ समाहित है। विशिष्ट अतिथि आनंद केसरी ने कहा कि हमें बहुत परेशानियों से आजादी प्राप्त हुई। संस्था के प्रबंधक राकेश चंद्र शुक्ल ने कहा कि भारत 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्र हुआ तथा 26 जनवरी 1950 को इसके संविधान को लागू किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र ध्छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि ने बच्चों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर जितेंद्र प्रजापति, प्रियंका विश्वकर्मा, शशिबाला श्रीवास्तव, मंजुलता, प्रतिमा, शिवानी विश्वकर्मा, अर्चना आदि उपस्थित रहे। संचालन संस्था के प्रधानाचार्य आशीष चंद्र शुक्ल ने किया।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट प्रांगण में किया ध्वजारोहण तथा भारतीय गणतंत्र का संकल्प व स्वच्छता की दिलायी शपथ,

राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता की सबसे बड़ी नींव संविधान-जिलाधिकारी

देश और प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिये समाज के सभी वर्गो का साथ और सहयोग जरूरी-जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने गणतंत्र दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व उनके आश्रित को किया सम्मानित

जिला महिला अस्पताल में विधायक सदर व जिलाधिकारी ने बेबी किट व जन्म प्रमाण पत्र का किया वितरण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी जी ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट प्रांगण में ध्वजारोहण करने के उपरान्त राष्ट्रीय गान का सामूहिक गान करते हुये वहां पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों को भारतीय गणतंत्र के संकल्प तथा स्वच्छता की शपथ दिलायी एवं जनपदवासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई दी। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके आश्रितों

को अंगवस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि एक लम्बे समय के विदेशी शासनकाल के पश्चात् 15 अगस्त 1947 को स्वतंत्रता मिली और उसके पश्चात् 26 जनवरी 1950 को संविधान अंगीकृत, अधिनियमित किया गया, उसी की वर्षगांठ के रूप में गणतंत्र दिवस को मनाया जा रहा है। 15 अगस्त 1947 के पश्चात् अंग्रेज जिस स्थिति में इस देश को छोड़ गये थे उस स्थिति में अपने लिये एक अच्छी शासन प्रणाली स्थापित करना, एक अच्छी प्रशासनिक व्यवस्था की नींव डालना, देश को सामाजिक, राजैनतिक और आर्थिक विकास के मार्ग पर प्रशस्त करना यह बहुत महत्वपूर्ण चुनौतियॉ थी, तत्समय जो हमारे महापुरूष, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, राष्ट्र के जो कर्णधार थे उनके सामने थी, इन चुनौतियों से निपटते हुये बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के नेतृत्व में बहुत ही शानदार संविधान इस देश को दिया है निःसन्देह यह पूरे विश्व के लिये अनुकरणीय है, हमारा संविधान देश की आधारशिला है। हमारे राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता की जो सबसे बड़ी नींव है वह हमारा संविधान है। हम अपने देश में सारे निर्णय लेने के लिये स्वतंत्र है। हमारा संविधान समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म, प्रतिष्ठा और अवसर के समता की गारण्टी देता है। हम एक वैश्विक नेतृत्वकर्ता देश के रूप में उभर रहे है। उन्होने कहा कि आजादी के लम्बे वर्षो के पश्चात् हमने विकास की एक बहुत लम्बी गाथा लिखी है, कृषि क्षेत्र में हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर है, जब यह देश आजाद हुआ था तो हम लोग खाद्यान्न में आत्मनिर्भर नही थे लेकिन आज के देश में हम अपनी ही भूख नही मिटाते है बल्कि कई देशों को अनाज निर्यात करने का कार्य करते है। सर्विस सेक्टर में हम पूरे देश व विदेश में अपना नाम रोशन कर रहे है। दुनिया के जो बाहर के लोग आते है तो यहां पर जो क्यूआर कोड से पेमेन्ट की स्कैनिंग देखते है तो हैरान रह जाते है, दुनिया के किसी देश में डिजिटल पेमेन्ट की ऐसी व्यवस्था आज भी नही है। दुनिया का जो सबसे मजबूत देश अमेरिका कहा जाता है आज भी वहां पर डिजिटल पेमेन्ट की व्यवस्था नही है जो हमारे देश में प्रचलित है। हमारा देश प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। देश और प्रदेश को विकास के रास्ते पर आगे ले जाने के लिये समाज के सभी वर्गो का साथ और सहयोग आवश्यक है। राष्ट्र के विकास में हर व्यक्ति का सामूहिक योगदान होना चाहिये। इस अवसर पर राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा राष्ट्र गीत प्रस्तुत किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने राजकीय बालिका इण्टर कालेज की बालिकाओ सहित डा0 मो0 अनीस, धर्मेन्द्र ओझा को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, उपजिलाधिकारी देश दीपक सिंह, जिला शासकीय अधिवक्ता राजस्व राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहित अधिवक्ता चिन्तामणि पाण्डेय, विवेक उपाध्याय आदि ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता चिन्तामणि पाण्डेय ने नवागत जिलाधिकारी को अंगवस्त्र सप्रेम भेंट किया। इस अवसर पर अधिवक्तागण, कलेक्ट्रेट के कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन पंकज श्रीवास्तव द्वारा किया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में पहुँचकर वीरगति प्राप्त सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा वहां पर उपस्थित 10 भूतपूर्व सैनिकों क्रमशः दुर्गेश सिंह, आर0ए0 सिंह, विजय कुमार शुक्ला, सत्य नारायण सिंह, संतोष सिंह, अनिल सिंह, जयराज सिंह, एमपी मिश्रा, आरएन त्रिपाठी व राकेश पाण्डेय को अंगवस्त्रम् व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त 1971 में वीरगति प्राप्त पायनियर (जी0डि0) राम निवास को स्मृति चिन्ह देकर बांग्लादेश सरकार ने सम्मानित किया था जिसके परिप्रेक्ष्य में सैनिक कल्याण कार्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर उनके आश्रित को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने इस दौरान अपने विचार भी व्यक्त किये। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र भी उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला महिला अस्पताल में विधायक सदर राजेन्द्र कुमार मौर्य एवं जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी द्वारा बेबी किट व जन्म प्रमाण पत्र का वितरण भी किया गया।

महावन में 21 युवकों ने रक्त दान किया

मथुरा। नगर पंचायत महावन में स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जन्म तिथि के उपलक्ष में रक्त मित्र फाउंडेशन

द्वारा 85 वाँ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया जिसमें 21 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्त दाताओं को फाउंडेशन द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इस दौरान विधायक पूरन प्रकाश, एसडीएम आदेश कुमार,फाउंडर रवीन्द्र बंसल, डॉक्टर सचिन शर्मा, शालू यादव, नीतेश अग्रवाल, गिरीश शर्मा, सी एच सी प्रभारी डॉक्टर विजेंद्र सिंह सिसोदिया, चेयर मेन प्रतिनिधि सुशील कुमार, खाद्य आपूर्त निरीक्षक गौरव माहेश्वरी आदि मौजूद रहे।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय बलदेव के ष्प्रभु प्रिय धामष में राष्ट्रीय गान के साथ तिरंगा झंडा फहराकर मनाया गया, 76वाँ गणतंत्र दिवस

मथुरा। बलदेव में प्रभु प्रिय धाम में तिरंगा झंडा फहराया गया।स्थानीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सीमा दीदी ने बताया कि गणतंत्र दिवस को प्रत्येक भारतीय स्कूल, कॉलेजों में बहुत ही धूम धाम से मनाते हैं।कहा कि तिरंगे में तीन रंग होते हैं सबसे नीचे होता है हरा,इसका मतलब है कि भारत किसानों का देश है हरित क्रांति आत्मविश्वास का प्रतीक है ,दूसरा है सफेद रंग,इसका अर्थ है दूध ,पवित्रता,शांति,का प्रतीक है सफेद क्रांति, फिर सबसे ऊपर होता है केसरिया,इसका मतलब आध्यात्मिक क्रांति त्याग और तपस्या का प्रतीक है, हरित क्रांति सफेद क्रांति के साथ आध्यात्मिक क्रांति का होना अति आवश्यक है। आध्यात्मिक दृष्टि से अगर देखा जाए तो इन तीनों रंगों में बहुत सुंदर भाव समाया है नीचे हरा रंग यानी कि ये धरती साकार मनुष्य लोक हरी भरी वसुंधरा कहा जाता है। दूसरा सफेद रंग सूक्ष्म जगत जो फरिश्तों की दुनियां, ऊपर केसरिया मतलब परमधाम,ब्रह्मलोक,शांतिधाम,जहां हम मनुष्यात्माओं का निवास स्थान है परमात्मा का घर है।और बीच में है चक्र जिसे ष्अशोक चक्रष कहा गया है जिसमें 24 लकीरें हैं इसका अर्थ 24 घंटे या 24 अवतार समय समय पर ष्महान आत्माएंष इस धरा पर अवतरित होकर मनुष्य को एक जीवन जीने की दिशा प्रदान करती हैं। ष्सृष्टि चक्रष से भी है जिसके 4 भाग हैं ष्सतयुग,त्रेतायुग,द्वापरयुग,कलयुगष।मनुष्य को अपने अंदर ष्सद्गुणोंष को अपने निज जीवन में धारण करना चाहिए, एक दूसरे के प्रति प्रेम,शांति,शुभ विचार,कल्याण की भावना को अपने जीवन में लाएंगे तो चारों ओर खुशहाली होगी और भारत फिर से ष्विश्व गुरु देवभूमिष बन जाएगा। इस मौके पर साथी बहन बी के रेनू बहन,ने सुंदर राष्ट्रीय देश भक्त गीत सुनाकर सभी को देश प्रेम में भाव विभोर कर दिया। और सभी ने गीत, कविताएं सुनाई।

इस अवसर पर बी के रेखा बहन,कुसुम,मोहिनी, पुष्पा,मीरा माता, कृष्णा, बंटी,शिवदेवी आदि उपस्थित रहे।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जयंती पर विश्वनाथ इकाई की काव्य गोष्ठी संपन्न

विश्वनाथ । शहर समता महिला काव्य मंच विश्वनाथ इकाई असम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी के जन्म जयंती

के शुअवसर पर जिलाध्यक्षा सैयदा आनोवारा खातून की संजोजन में और विनय कुमार के संचालन में और मनोहर मधुकर जी के अध्यक्षता में आनलाईन गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया । मंच का शुभारंभ सैयदा आनोवारा खातून ने सरस्वती के मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया और एक सुंदर सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी साथ ही एक स्वतंत्रता सेनानी नेताजी के जन्म जयंति पर कुछ देश भक्ति व्याख्यान भी प्रस्तुति किया । उपस्थित सभी सम्मान सहित उस महान शख्सियत को याद कर नतमस्तक किया । मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे आजमगढ़ उत्तर प्रदेश सर्वोदय पाव्लिक स्कूल से हिंदी विभाग के मुख्य अध्यापक विश्वजीत चौबे और विशिष्ट अतिथि के रुप में दिल्ली से अनुगूंज साहित्य पीठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण त्रिवेदी श्अनुपमश संस्थान के स्थापिका तथा वरिष्ठ लेखिका प्रवीणा त्रिवेदीश्प्रज्ञाश मध्य प्रदेश से वरिष्ठ गीतकार मनोहर मधुकर , बंगाईगांव असम से विनय कुमार श्बौद्धश विश्वनाथ (असम) से शिक्षक एवं हिंदी सेवी युवा कवि संतोष कुमार महतों, शिक्षिका रुकसार पारवीन, उत्तर प्रदेश प्रयागराज से शहर समता अखबार के मुख्य सम्पादक एवं वरिष्ठ साहित्यकार उमेश श्रीवास्तव , डिब्रुगढ़ असम से हिंदी सेवी उर्मीला ओझा जी, बंगाईगांव असम से युवा कवि मानव दे, देहरादून से वरिष्ठ गजलकार जनाब आलम मुसाफिर जी, आजमगढ़ से युवा लेखक रुद्र प्रताप चर्तुवेदी जी और प्रयाग राज उत्तर प्रदेश से शहर समता के राष्ट्रीय अध्यक्षा रचना सेक्शना जी शहर समता विश्वनाथ इकाई असम से युवा कवयित्री एवं शिक्षिका हिंदी सेवी आनोवारा खातून जी मंच में उपस्थित सभी कवि –कवयित्री ने अपने सुंदर –सुंदर कविता से चार चांद लगा दिए । सभी ने एक से बढ़कर एक कविता और गजल कहा । उमेश ने गाया– श्भूगोल जानता हूं मैं इतिहास जानता हूश आनोवारा ने श मेरा मुल्क महान नाम जिसका हिंदुस्तान श रुखसात ने – श्मैं सुभाष बोल रहा हूं श रचना सेक्शना जी ने श्यह कुम्भ का मेला है इसका असर देखिए श प्रवीणा जी ने श्गीत नफरत का तुम ना गाओ देशभक्ति का मौसम बदल जाएगा ष विनय जी ने ष्कोटी कोटी कंठ एक साथ गायेंगे ष। रुद्र ने एक दृष्टि में दृष्टागं देखा कलयुग के आरंभ मेंश मनोहर जी ने चलो हम भीगे इस बरसात में दो से एक हो जाएं इस मुलाकात में ष

उर्मीला जी ने ष्झुठ के बैशाखियों सच छुपाने के लिएष्आलम जी ने ष्चलो सिक्का उछाला जाएगा ष अनुपम जी ने भी अपनी बेहतरीन आवाज में एक सुंदर गजल पेश किया । आनोवारा जी की संजोजन में और विनय जी के संचालन में साथ ही उपस्थित हिंदी प्रेमी, तथा साहित्यकारो के सहयोग से आज के गोष्ठी सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष मनोहर जी ने सभी के कविताओं पर सुंदर टिप्पणीयां प्रस्तुत किया। आज मंच में उपस्थित सभी लेखक–लेखिकाओं को आनोवारा जी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।साथ ही सादर सम्मान सहित मंच विराम का भी घोषणा किया।

गणतंत्र दिवस पर गदियान गाँव में लगी ग्राम चौपाल

प्रतापगढ़। विकास खंड सांगीपुर के गदियान गाँव में

गणतंत्र दिवस पर ग्राम चौपाल का भव्य आयोजन पंचायत भवन में किया गया। चौपाल में जिला लोकपाल समाज शेखर की अध्यक्षता में ग्रामीणों से जन सुनवाई व संवाद किया गया। शिकायत कर्ता राम मिलन सहित चौपाल में प्राप्त शिकायतों का किया स्थलीय निरीक्षण कर सभी पक्षों को सुना व आवश्यक निर्देश दिया गया। ग्रामीणों की मांग पर प्रतिमाह नियमित बैठक करने तथा सतर्कता एवं निगरानी समिति को नियमानुसार एक सप्ताह में पुनर्गठित कर सक्रिय करने का निर्देश दिया। लोकपाल समाज शेखर ने इस अवसर पर ग्रामीणों से सार्वजनिक व सरकारी कार्यो में निस्वार्थ भागीदारी की अपील करते हुए ग्राम के विकास कार्यो में जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाने का आवाहन किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन के पास बने मनरेगा के चकमार्ग पर ईट भट्टे के अतिक्रमण पर नाराजगी जताते हुए बीडीओ को जांच कर आवश्यक कार्यवाही का निर्देश दिया। ग्राम के बीचो बीच अव्यवस्थित जल निकासी की ग्रामीणों की शिकायत निरीक्षण कर जायजा लिया। पंचायत को सुव्यवस्थित नाली व आस पास के घरों में सोखता पिट बना कर समाधान को कहा। रास्ता, नाली, पेयजल आदि की समस्याओ पर त्वरित कार्यवाही को पंचायत सचिव को निर्देश दिया। शिकायत कर्ता राम मिलन की शिकायतों तथा इस संबंध में हुई पूर्व जांचो का स्थलीय निरीक्षण व जायजा लिया गया। भारत के घर से मनोज के घर तक खडंजा कार्य , पंचायत भवन, पंचायत भवन से नाला तक खडंजा निर्माण आदि का स्थलीय निरीक्षण किया गया। शिव मंगल के घर से सदाशिव के घर तक इंटर लॉकिंग देखा। कार्य पूर्ण है परंतु शिव मंगल के घर तक मार्ग निर्माण नही हुआ। स्थानीय व्यक्तियों तथा मनरेगा कर्मियों से तथ्य एकत्र किये गए। बीडीओ व डी सी मनरेगा कार्यालय से उक्त जांचो के संबंध में जांच आख्या व अन्य आख्या हेतु लोकपाल द्वारा अबिलम्ब अपेक्षा की गई है। इस अवसर पर लोकपाल द्वारा पर्यावरणविद् सुंदरम तिवारी व ग्रामीणों के साथ पीपल व पाकड़ के पौध का रोपण पंचायत भवन में किया गया और सुरक्षा व संरक्षण की जिम्मेदारी हेतु ग्राम पंचायत को निर्देश दिया गया। लोकपाल समाज शेखर ने ग्राम के बगल स्थित अति प्राचीन भैरवन धाम का दर्शन पूजन किया और वहाँ के पर्यटन विकास कार्यो की प्रगति से रूबरू हुए। धाम स्थित अति प्राचीन बचकुन वृक्ष के संरक्षण व सौंदयीकरण हेतु ग्राम पंचायत को सुझाव दिया। वहीं गणतंत्र दिवस पर प्रसिद्ध घुश्मेश्वर नाथ धाम महादेव की विशेष श्रृंगार आरती में महंत जी के मार्गदर्शन मे प्रतिभाग किया।

'तेइस फरवरी को प्रयागराज में होगा पत्रकारों का भव्य महाकुम्भ'

प्रयागराज। देश भर के मान्य सम्पादकों, पत्रकारों और साहित्यकारों के सम्मान सुरक्षा व शक्ति के लिए कृतसंकल्पित संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ द्वारा आगामी तेइस फरवरी 2025 को कलमकारों का भव्य महाकुम्भ आयोजित किया जा रहा है जिसमें चौदह से अधिक प्रान्तों के तीन सौ से अधिक चयनित पत्रकार महासंघ के सदस्य पदाधिकारी शामिल होंगे द्य

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र एवं राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया ने संयुक्त रूप से बताया कि तेइस फरवरी दो हजार पच्चीस दिन रविवार को प्रातः दस बजे से शाम चार बजे तक दो सत्रों में आयोजित होने वाले इस महाधिवेशन में राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं प्रमुख मण्डल इकाइयों का शपथ ग्रहण समारोह भी होगा ।

आज आर-पार हो

(विधारूचामर छंद)

कोटि–कोटि कंठ आज एक साथ गाइए।
देशभक्ति गीत आज शान से सुनाइए।।

जाग–जाग आँख खोल माँ तुझे पुकारती।
तीन रंग वस्त्र से सजी है मात भारती।।

देशप्रेम भाव रक्त–रक्त में उबाल हो।
मातृ प्रेम गौण क्यों सटीक ये सवाल हो।।

शब्द–शब्द आज चीख–चीख के जगा रही।
देख न्याय–धर्म की ध्वजा तुझे बुला रही।।

प्रीत–रीत छोड़ आज ले त्रिशूल वार हो ।
बातचीत छोड़–छाड़ आज आर–पार हो ।।

रौद्र रूप ले शिवा नमो नमो हे शंकरा ।
राम–कृष्ण तीर तान एक साथ आ धरा।।

थाम लो कटार तू झुको नहीं रुको नहीं।
फिक्र मौत की नहीं डटे रहो हटो नहीं।।

अंग–अंग खंड–खंड पाक–चीन साथ हो।
रक्त–बीज नाश हो कृपाण हाथ–हाथ हो।।
'विनय कुमार बुद्ध'

सम्पादकीय.....

लाउडस्पीकर पर रोक

गाहे–बगाहे कोर्ट की सख्ती के बावजूद विभिन्न धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल बंद नहीं हुआ। दिनभर के थके–हरे लोग जब घर में आराम करते हैं तो लाउडस्पीकरों की तीव्र ध्वनि उनकी शांति में खलल डालती है। डॉक्टर भी कहते हैं कि नींद में किसी भी तरह का व्यवधान व्यक्ति के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। फिर जो लोग पहले से बीमार होते हैं,उनके लिये तो तेज शोर असहनीय होता है। लेकिन वर्तमान ध्रुवीकृत समाज में लाउडस्पीकरों का बेलगाम शोर प्रतिष्ठा का मुद्दा बन जाता है। लोग परेशान होने पर भी शिकायत नहीं करते। उन्हें डर होता है कि धार्मिक समूह उन्हें निशाना बना सकते हैं। विडंबना यह है कि नियामक एजेंसियां भी स्वतरू संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं करती। इस बाबत दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार शोर–शराबे पर काबू करे। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि लाउडस्पीकरों का इस्तेमाल किसी भी धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। इसलिए ध्वनि प्रदूषण के नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने पुलिस से कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगाए गए लाउडस्पीकरों के शोर को मापने के लिए ऐप का प्रयोग करे ताकि नियम का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई की जा सके। उन पर जुर्माना लगे। फिर भी उल्लंघन होने पर प्रबंधकों व संचालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। यहां तक कि कोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता की सुरक्षा के मद्देनजर उसकी पहचान गोपनीय रखी जाए। साथ ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों के भीतर ऐसा सिस्टम लगे, जो उसकी ध्वनि के स्तर को स्वतरू नियंत्रित करे। न्यायाधीशों की दो सदस्यीय बेंच ने माना कि निर्धारित मानक से अधिक शोर सेहत पर प्रतिकूल असर डालता है। अतरू कोई व्यक्ति इसके इस्तेमाल को अपना अधिकार नहीं बता सकता। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार धार्मिक स्थलों से होने वाले शोर पर नियंत्रण के लिये ठोस प्रयास करे। कोर्ट ने राज्य सरकार से यह भी कहा कि ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा जनसमूह को संबोधित करने वाले सिस्टम की शोर सीमा को नियंत्रित करे। नियामक एजेंसियां निगरानी व शोर नापने के लिये ऐप प्रयोग करे। नियमानुसार दिन में ध्वनि का स्तर 55 तथा रात में 45 डेसिबल से अधिक नहीं हो। दरअसल, मुंबई में कुर्ला क्षेत्र में एक धार्मिक स्थल से निर्धारित मानकों से अधिक स्तर का ध्वनि प्रदूषण रोकने में पुलिस की निष्क्रियता के खिलाफ यह याचिका दायर की गई थी। वास्तव में लोग तभी शिकायत करते हैं जब ध्वनि का स्तर सहने की सीमा पार कर जाता है। अदालत ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रख कर कार्रवाई करने को कहा ताकि उसे सांप्रदायिक आधार पर निशाना न बनाया जा सके। यदि जुर्माना लगाने के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो पुलिस धार्मिक स्थल पर लगे लाउडस्पीकर को जब्त करे। फिर उसके लाइसेंस को रद्द करने की कार्रवाई करे। साथ ही ध्वनि प्रदूषण नियंत्रक नियमों तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो। कोर्ट माना कि कठोर कानून के अभाव में लाउडस्पीकरों के उपयोगकर्ता नियम–कानून को नजरअंदाज करने लगते हैं। नियामक एजेंसियों की निष्क्रियता पर चिंता जताते हुए अदालत का कहना था कि लोग ध्वनि प्रदूषण को लेकर संविधान में वर्णित अभिव्यक्ति व धार्मिक आजादी का तर्क देते हैं, लेकिन इस पर रोक लगाना किसी भी स्थिति मे मौलिक अधिकारों का अतिक्रमण नहीं है। अतरू ध्वनि की कर्कशता पर अंकुश लगाकर लोगों को राहत दी जानी चाहिए। दरअसल, पुलिस ऐसे मामलों में इसलिए भी उदासीन रहती है कि कहीं उन पर धार्मिक भावनाएं आहत होने का आक्षेप न लगा दिया जाए। कमोबेश यह स्थिति पूरे देश में और विगत में आए अदालत के फैसले की भी अनदेखी की जाती रही है। कई बार तो प्रशासन की अनुमति के बिना सार्वजनिक कार्यक्रमों का लाउडस्पीकरों से संबोधन बदस्तूर जारी रहता है। लोग इसलिये भी शिकायत नहीं करते हैं ताकि कोई टकराव न हो। धर्म विशेष के लोग उनके घरों के आसपास ही रहते हैं। ऐसे में उन्हें हिंसा की आशंका रहती है। निस्संदेह, नियंत्रण के लिए ढाई दशक पहले बनाये गए ध्वनि प्रदूषण विनियमन व नियंत्रण नियमों को बदलते वक्त के साथ प्रभावी बनाने की जरूरत है।

उच्च शिक्षा की उखड़ती जड़ें

डॉ. दीपक पाचपोर

अब तक एक सहायक प्रोफेसर को पदोन्नति के लिए सात पेपर प्रकाशित करने होते हैं, जबकि एक एसोसिएट प्रोफेसर को 10 पेपर प्रकाशित करने होते हैं।

केरल विधानसभा ने बीते मंगलवार 21 जनवरी को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग या यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के मसौदा नियमों को वापस लेने का आग्रह किया है। यूजीसी के नए मसौदा नियमों की आलोचना कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे गैर–भाजपा शासित राज्यों ने भी की है। इस महीने की शुरुआत में तमिलनाडु सरकार ने इसकी आलोचना की थी। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री गोवी चेजियान ने यूजीसी नियमों के मसौदे को तानाशाही बताते हुए कहा था कि अगर केंद्र सरकार इसे वापस नहीं लेती है तो डीएमके सरकार कानून का सहारा लेगी और इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन भी करेगी। वहीं केरल में न केवल सत्तारुढ़ सीपीआई (एम) बल्कि विपक्षी कांग्रेस भी इस फैसले में साथ है। केरल में सरकार और विपक्ष दोनों का मानना है कि यह उच्च शिक्षा में संघ परिवार के एजेंडे का हिस्सा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अपने प्रस्ताव में यूजीसी मसौदा नियमों को उच्च शिक्षा क्षेत्र के व्यवसायीकरण के लिए एक कदम मात्र बताया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि बदलते नियमों को उच्च शिक्षा को धार्मिक और सांप्रदायिक विचारों का प्रचार करने वालों के चंगुल में फसाने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। प्रस्ताव में कहा गया है, विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के कामकाज के लिए लगभग 80 प्रतिशत पैसा राज्य सरकारों द्वारा खर्च किया जाता है। विश्वविद्यालयों की गुणवत्ता को बनाए रखने में राज्य सरकारों की प्रमुख भूमिका रहती है। केरल विधानसभा का मानना है कि केंद्र सरका गौरतलब है कि हाल ही में केंद्र सरकार ने यूजीसी के नए मसौदा नियम जारी किए, जिसमें ऊपरी तौर पर यह दिखाने की कोशिश की गई है कि ये फैसले उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और विश्वविद्यालयों का स्तर ऊंचा उठाने के लिए किए गए। लेकिन असल में इससे उच्च शिक्षा में बड़ी सेंध लगती नजर आ रही है। गौरतलब है कि यूजीसी के नए नियम राज्यों में राज्यपालों को कुलपतियों की नियुक्ति के लिए व्यापक अधिकार दिया गया है। साथ ही कुलपति का पद शिक्षाविदों तक सीमित नहीं रखकर इसे उद्योग विशेषज्ञों और सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गजों के लिए भी खोल दिया गया है। मतलब अब अगर कोई उद्योगपति चाहे तो वह किसी विश्वविद्यालय का कुलपति बन सकता है, भले उसके पास शैक्षणिक योग्यता और अनुभव न हों। उच्च शिक्षा के साथ इतना भद्दा खिलवाड़ आजादी के बाद से अब तक नहीं हुआ। नरेन्द्र मोदी इसे भी मुमकिन बना रहे हैं। इस फैसले पर गैर भाजपाई दल और सरकारें तो फिक्रमंद दिख ही रहे हैं, भाजपा की सहयोगी जदयू ने भी इस पर आपत्ति दर्ज की है। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि हमें कुलपतियों की नियुक्ति में निर्वाचित सरकारों की भूमिका सीमित करने को लेकर चिंता है। यह उच्च शिक्षा के लिए राज्य सरकार के रोड मैप को प्रभावित करेगा। भाजपा की एक अन्य सहयोगी लोजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अरविंद कुमार वाजपेयी ने कहा कि इस मामले पर विचार–विमर्श करना संसद का विशेषाधिकार है। यूजीसी ने प्रकाशनों की मानक सूची को भी बंद करने का फैसला लिया है। बता दें कि विश्वविद्यालय और डिग्री कॉलेज के प्राध्यापकों की पदोन्नति के लिए उत्कृष्ट पत्रिकाओं और जर्नल में शोध–पत्र किताब और लेख प्रकाशित होना चाहिए। इसके लिए यूजीसी की मानक सूची से उन पत्रिकाओं की पहचान करने में मदद मिलती थी, जो विश्वसनीय हैं और शोधपत्र प्रकाशित करने के लिए कुछ गुणवत्ता मानकों को पूरा करती हैं। दरअसल पहले कुछ कीमत अदा करके फर्जी पत्रिकाओं में शोध आलेख प्रकाशित करवा लिए जाते थे, जिस पर रोक लगाने के लिए 2018 में यूजीसी–कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक्स एंड रिसर्च एथिक्स यानी यूजीसी केयर शुरु किया गया, जो स्कोप्स और वेब ऑफ साइंस जैसे विश्व स्तर पर स्वीकृत डेटाबेस में अनुक्रमित पत्रिकाओं की एक संदर्भ सूची है। विशेषज्ञों द्वारा गहन मूल्यांकन के बाद भारतीय पत्रिकाओं को सूची में शामिल किया गया। लेकिन अब प्रकाशनों के चयन का फैसला विश्वविद्यालयों पर छोड़ दिया गया है। शिक्षाविदों का मानना है कि इससे फिर से फर्जी और स्तरहीन प्रकाशनों के पनपने के लिए जमीन तैयार होगी। नए मसौदा नियमों में पदोन्नति के लिए प्रकाशित पेपर की संख्या भी कम कर दी गई है। अब तक एक सहायक प्रोफेसर को पदोन्नति के लिए सात पेपर प्रकाशित करने होते हैं, जबकि एक एसोसिएट प्रोफेसर को 10 पेपर प्रकाशित करने होते हैं। लेकिन नए मसौदे में पदोन्नति के लिए एक सहायक प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा तीन पेपर प्रकाशित करने की आवश्यकता निर्धारित की गई है। यानी यूजीसी ने प्रकाशनों की गुणवत्ता के साथ–साथ, शोध कार्यों की गुणवत्ता को भी दांव पर लगा दिया है। वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा के मामले में भारत की साख पहले ही कम होती जा रही थी, अब शोध और प्रकाशन के मामले में भारतीय विश्वविद्यालयों की छवि और खराब हो जाएगी। नरेन्द्र मोदी भारत को शोध, शिक्षण और ज्ञान का केंद्र बनाने का दावा करते हैं। अपना तीसरा कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का जब उद्घाटन किया था, तब भारत में ज्ञान की महान परंपरा की बातें की थीं। लेकिन उनके पिछले दो कार्यकालों में भारत में उच्च शिक्षा केंद्र विवादों में पड़े। जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, अलीगढ़ मुस्लिम विवि, हैदराबाद विवि, जादवपुर विवि, ऐसे कई ख्यातनाम विश्वविद्यालयों में अवांछित विवाद खड़े हुए। आईआईटी जैसे संस्थानों में बैठे लोगों ने कई बार अतार्किक बयान दिए। प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक संघ की हिंदुत्ववादी सोच थोपने की कोशिश दिखाई दी और अब यूजीसी के नए मसौदे से जाहिर हो रहा है कि शिक्षा के नाम पर राजनैतिक, कारोबारी फायदे के लिए सरकार जमीन तलाश रही है। इसमें कुछ लोगों के पैर तो जम जाएंगे, लेकिन उच्च शिक्षा की जड़ें उखड़ जाएंगी।

महाकुंभ में मैत्री

अरुण कुमार त्रिपाठी

अपने मित्र और हिंदी के प्रसिद्ध कवि अष्टभुजा शुक्ल ने श्अथ कुंभ कथाश नाम से ऐसा ललित निबंध लिखा जिसे पढ़कर लगा मानो हमने प्रयागराज के संगम पर डुबकी ही लगा ली। वे लिखते हैं, श्जल तो थोड़ा–बहुत हर जगह है, लेकिन कुंभ के महापर्व में वह अमृत में रूपांतरित हो चुका है। अमृत का चखना ही अनंत पुण्य का फल है। आनंद का मेला है। अमरता की तलाश में ही जीवन मैदान में उतरता है। उधर, गांधी विचारक चिन्मय मिश्र कहते हैं कि आठवीं सदी में जब कुंभ की शुरुआत हुई तो देश दमन और पराजय की ढलान पर जाने लगा। बौद्धों और जैनियों का दमन और उन्हें देश के लोकजीवन से निष्कासित करना कमजोर भारत की नींव डालने जैसा ही काम था। यह काम किया था, शंकराचार्य ने। संगम पर प्रतीकात्मक डुबकी लगाने के साथ सांस्कृतिक संगम की सरस्वती को लुप्त कर दिया गया। उसी के बाद देश पर विदेशी आक्रमण हुए और गुलामी की शुरुआत हुई। महाकुंभ को देखने के ये दो विचार हैं। आप इनमें से जिसके साथ जाना चाहें, जा सकते हैं, लेकिन पाप–पुण्य और पराजय के भाव से अलग एक भाव है मैत्री का। कुंभ जाने वालों से यह पूछना चाहिए कि उनके भीतर कितना मैत्री भाव जगा। उस मैत्री भाव के मूल में है एकत्व का भाव। वह एकत्व चाहिए सूर्य से, पृथ्वी से, जल से, अग्नि से, प्राणिमात्र से। यानी जो पंचमहाभूत हैं – क्षिति, जल, पावक, गगन और समीर जिनसे मिलकर इस सृष्टि की रचना हुई है, उसकी एकता की अनुभूति। क्या लोग कुंभ के अवसर पर इस भावार्थ को समझ पा रहे हैं? भारत और उत्तरप्रदेश आज जिस शत्रुता भाव में डूबता जा रहा है, अपने भीतर ही जिस तरह से पराए ढूंढे जा रहे हैं, जिस तरह से अपनी आजादी के लिए हुए बलिदान को व्यर्थ बताकर उस पर वितंडा खड़ा किया जा रहा है, क्या महाकुंभ के इस आयोजन के बाद जनता और बौद्धिक वर्ग के भीतर से वह भाव कुछ मिटेगा? क्या उसके भीतर समता और समन्वय का भाव जगेगा? या श्रेष्ठता और अलगाव का भाव पैदा होगा? अगर उसमें अलगाव और श्रेष्ठता भाव मिटेगा तो समझिए कि उसने कुंभ में अमृत चखा और अगर बढ़ेगा तो समझ लेना चाहिए कि उसने अमृत समझकर विष चखा है। अगर इस महाकुंभ से हिंदू संस्कृति की श्रेष्ठता का भाव निकलता है और वह दूसरी संस्कृतियों या संप्रदायों को हेय मानने की भावना से ग्रसित होता है तो समझना चाहिए कि लोगों ने कुंभ का सही संदेश नहीं लिया है। वे निजी स्वार्थ, सांगठनिक स्वार्थ, सांप्रदायिक स्वार्थ और सामुदायिक स्वार्थ को साधने की तलाश में कुंभ गए और लौट आए। इससे न तो भारत का कल्याण हो पाएगा और न ही विश्व का। अगर यह महाकुंभ हिंदू धर्म की सत्य और अहिंसा की संस्कृति को समझाने, प्रकट कराने और उस अमृत को चखाने में सफल होता है तो कहा जा सकता है कि इसकी सार्थकता है। अगर वह झूठ गढ़ने, अंधविश्वास बढ़ाने, राज्य की हिंसक प्रवृत्ति और सांप्रदायिक वैमनस्य की भावना फैलाने का उद्देश्य पूरा करने का साधन बनता है तो उसकी सफलता संदिग्ध है और उसी के साथ संदिग्ध होती है भारत की अमरता और शास्वत होने की धारणा। हिंदू की पहचान बताते हुए श्माधव दिग्विजयश नामक ग्रंथ में उल्लेख है–ओंकार जिसका मूल मंत्र है, पुनर्जन्म में जिसकी दृढ़ आस्था है, भारत ने जिसका प्रवर्तन किया है तथा हिंसा की जो निंदा करता है, वह हिंदू है। इसी बात को विनोबा भावे अलग ढंग से कहते हैं। उनका मानना है कि श्अहिंसा–प्रियता हिंदू होने का मुख्य लक्षण है।श वास्तव में भारत जिसको दुनिया के लिए अपना विशिष्ट संदेश मानता है, जिसके कारण वह दुनिया की पवित्र भूमि होने का दावा कर सकता है, वह है–वसुधैव कुटुंबकम यानि समस्त संसार एक परिवार है का संदेश। यही संदेश मैत्री का संदेश है, यही संदेश बंधुता, सत्य और अहिंसा का संदेश है। सत्य और अहिंसा का संदेश अरबों रुपए खर्च करके करोड़ों लोगों के स्नान का दावा करने में नहीं है। वह सत्य की तलाश के नाम पर अल्पसंख्यक बहुल आबादी और शहरों के बीच मस्जिदों को खोदकर मंदिर निकालने में नहीं है। न ही वह पुलिस प्रशासन द्वारा गदा लेकर अल्पसंख्यकों को भयभीत करने में है। वह संदेश है, सभी में मैत्री और समता का भाव देखने में। यह भाव सरकारों के आयोजनवीर होने की बजाय सहज रूप से मेले में लोगों की जुटान से होता है। गांधी की हत्या के बाद जब मई 1948 में वर्धा में प्रधानमंत्री नेहरू, राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद, जेबी कृपलानी, जयप्रकाश नारायण और विनोबा भावे जैसे कई दिग्गज आगे की रणनीति बनाने के लिए बैठे तो विनोबा भावे ने सर्वोदय समाज का संगठन बनाने और उसके लिए किसी सरकारी आयोजन का विरोध किया था। उनका कहना था कि सर्वोदय मेला लगना चाहिए और उसके लिए कोई फिजूलखर्ची नहीं होनी चाहिए। आज स्थिति उल्टी हो चली है। हर कोई यही पूछ रहा है कि सरकार ने क्या इंतजाम किया है। सरकार यह बताने में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है कि उसने क्या इंतजाम किया है। दूसरी ओर तमाम लोग यह बताने में अपना श्रम लगाए हुए हैं कि सरकार ने क्या नहीं किया। इस तरह सरकार एक खास समुदाय की तरफदारी में झुकती जा रही है और बाकी समुदायों की उपेक्षा कर रही है। यजुर्वेद के एक श्लोक का उद्धरण देते हुए विनोबा भावे कहते हैं रू शमित्र की निगाह से हम दुनिया को देखें और मित्र की निगाह से दुनिया हमें देखे। समाज में सब लोग सखा बनें। परस्पर सहयोग करें, परस्पर खुली चर्चा करें, सामूहिक निर्णय लें और सब मिलकर उस पर अमल करें। इसी का नाम है सख्यभक्ति। वे आगे कहते हैं कि विज्ञान युग में दास्यभक्ति का जमाना चला गया है और सख्यभक्ति का आ गया है।श सवाल उठता है कि क्या हम कुंभ आयोजन के 1200 वर्षों में उस सख्यभाव को निर्मित कर पाए हैं? यह दौर जातीय और धार्मिक संकीर्णताओं के बढ़ने का और धार्मिक संघर्षों का है। विभिन्न धर्मों की बुनियादी एकता की भावना निरंतर क्षीण हो रही है। भारत की विशेषता रही है कि वहां विभिन्न धर्मों ने मिलकर मानव चित्त की ऐसी खेती की है कि उनका बाह्य मतभेद मिटता रहा है। महाकुंभ के आयोजन में जिस तरह गंगा और यमुना मिलती हैं क्या उसी तरह मिलते हुए जातिगत, लैंगिक, सांप्रदायिक,धार्मिक, भाषाई, वैचारिक मत–मतांतर और राजनीतिक भेदभाव मिट रहे हैं? अगर हां तो निश्चित तौर पर इस कुंभ की सार्थकता है। लेकिन अगर इसमें नए–नए विवादों को खोद निकालने, नए–नए टकराव और कलह के मुद्दे तलाशने और समता और मैत्री के भाव को घटाने का काम हो रहा है तो समझ लीजिए कि महाकुं भ का घट रीता ही रहेगा।

ट्रम्प की नीतियों से बढ़ सकता है भारत का आर्थिक संकट

डॉ.अजीत रानाडे

डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के सैंतालीसवें राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने यह बड़ी चुनावी जीत हासिल की। इसके साथ ही वे एकमात्र पूर्व और पदारुढ़ अमेरिकी राष्ट्रपति हैं जिन्हें ऐसे अपराध में दोषी ठहराया गया है जिसमें आम तौर पर कठोर जुर्माना या जेल की सजा होती है। तो भी सजा सुनाने वाले न्यायाधीश ने होने वाले राष्ट्रपति को दंडित करने से इनकार कर दिया और उन्हें बिना शर्त छोड़ दिया। उनके खिलाफ तीन अन्य आपराधिक और गुंडागर्दी के मामले भी हैं जिनमें कार्रवाई कभी भी शुरू हो सकती है या शायद नहीं भी हो सकती है। अपराधी के रूप में दोषी ठहराए जाने के बाद राष्ट्रपति ट्रम्प को अब कई देशों में प्रवेश से इनकार करने का सामना करना पड़ रहा है। यहां तक कि भारत भी दोषी ठहराए गए अपराधियों को वीजा नहीं देता है। राष्ट्रपति ट्रम्प जिन देशों की यात्राएं करना चाहते हैं उन देशों के लिए यह एक संवेदनशील राजनयिक चुनौती पेश करने वाला विषय है। ट्रम्प के राष्ट्रपति पद की यह एक अभूतपूर्व शुरुआत है। उनके लंबित आपराधिक मामलों की जानकारी होने के बावजूद लोगों ने उन्हें बहुत निर्णायक रूप से वोट दिया है। ट्रम्प ने जिन नीतियों की घोषणा की है तथा जिन्हें वे लागू करने की योजना बना रहे हैं, वे योजनाएं और भी लोकप्रिय हैं। उनके चुनावी समर्थन की तुलना में उनकी नीतियों को दस प्रतिशत अधिक अनुमोदन रेटिंग प्राप्त है। वे नीतियां क्या हैं? इनमें अवैध विदेशियों के खिलाफ कड़े कदम, एच1बी वीजा पर आने वाले वैध विदेशियों का प्रवेश प्रतिबंधित करना, विशेष रूप से मैक्सिको, कनाडा और चीन से आने वाले सामानों पर उच्च आयात शुल्क लगाना शामिल है। उनके समर्थक व अन्य लोग भी इस बयानबाजी पर विश्वास करने लगे हैं कि विदेशी उत्पादक अमेरिकी उपभोक्ता बाजार का श्दोहनश करते हैं और अमेरिकी नौकरियों की चोरी करते हैं। इसलिए ट्रम्प के नए कार्यकाल में अब विदेशी आपूर्तिकर्ताओं को अमेरिकी उपभोक्ता तक मुफ्त पहुंच उपलब्ध नहीं होने दी जा रही है। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान 2016 से 2020 तक उन्होंने अमेरिका में आयात किए जा रहे लगभग एक लाख करोड़ डॉलर के सामान पर उच्च टैरिफ लगाया था। वह टैरिफ अब और भी ज्यादा होगा। अमेरिकी आयकर विभाग की श्आंतरिक राजस्व सेवाश का अनुकरण करते हुए उन्होंने श्बाहरी राजस्व सेवाश स्थापित करने की घोषणा की है। ट्रम्प अपने मतदाताओं से कहते हैं कि अपनी जेब काटने के बजाय मैं उन गंदे विदेशियों की जेबें काटने जा रहा हूं जो मुक्त बाजार पहुंच का अनुचित लाभ उठाते हैं। ट्रम्प 2.0 की नीतियों का भारत पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। सबसे पहले, अमेरिका में आने वाले चीनी सामानों पर उच्च शुल्क, जिसके कारण चीन उन उत्पादों को तीसरे देशों में भेज देगा। चीन मंदी और क्षमता से अधिक उत्पादन का सामना कर रहा है। इसका अर्थ यह है कि चीनी बहुत कम कीमत पर अन्य देशों में माल डंप करने की कोशिश करेगा जिनमें विशेष रूप से स्टील, अलौह धातुओं, उपभोक्ता, इलेक्ट्रॉनिक्स और रसायनों जैसी वस्तुएं शामिल हो सकती हैं। पहले से ही चीन के साथ भारत का 100 अरब डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार घाटा है जिसे कम करना मुश्किल साबित हो रहा है। दूसरा प्रभाव सस्ता रूसी कच्चे तेल खरीदने के खिलाफ प्रतिबंधों के माध्यम से है। भारत को सस्ते कच्चे तेल की खरीद और अमेरिका व यूरोप को परिष्कृत पेट्रोल और डीजल निर्यात करने से फायदा हुआ। इसकी बारीकी से जांच होने की उम्मीद है तथा मामला और अधिक बिगड़ जाएगा। तीसरा प्रभाव मजबूत डॉलर के माध्यम से होता है जिसका अर्थ है रुपये का और कमजोर होते जाना। यह विदेशी निवेशकों को परेशान करता है और यह बड़े पैमाने पर पूंजी के बाहर जाने के रूप में परिलक्षित हुआ है। इस वर्ष जनवरी में यानी 17 जनवरी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 47,000 करोड़ यानी करीब 6 अरब डॉलर की निकासी की है और शेयर बाजार को बड़ी टक्कर मिली है। इस जनवरी में हुई यह निकासी 2008 के बाद से सबसे अधिक है। डॉलर की निकासी से रुपया गिरकर 87 पर आ गया है। इसमें और गिरावट आ सकती है। रुपये की मजबूती को बचाने की कोशिश में भारतीय रिजर्व बैंक डॉलर बेचता है। जैसे ही एफआईआई बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है, डॉलर की कमी उभरकर सामने आती है जिससे रुपया कमजोर और डॉलर मजबूत हो जाता है। रुपये को और कमजोर होने से बचाने के लिए आरबीआई अपने कीमती विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर बेचता है। एक अनुमान के अनुसार सितंबर, 2024 के अंत से आरबीआई ने समस्या के समाधान के लिए लगभग 40 अरब डॉलर बेचे होंगे। यह भारत के विदेशी मुद्रा के स्टॉक को कम करता है व बैंकिंग प्रणाली में तरलता को भी कम करता है। इसका शुद्ध परिणाम यह भी है कि रुपया अभी भी गिर रहा है तथा बैंकों को तरलता की कमी का सामना करना पड़ रहा है। दिसंबर, 2024 के अंत तक आरबीआई बैंकिंग प्रणाली में 2.5 लाख करोड़ रुपये की शुद्ध तरलता घाटे की रिपोर्ट कर रहा है। यह तरलता संकट अल्पकालिक ब्याज दरों को तेजी से बढ़ाता है। यह अच्छी खबर नहीं है क्योंकि दूसरी तरफ आरबीआई पॉलिसी रेट (शॉर्ट टर्म रेपो रेट) को नीचे लाने की मांग की जा रही है। भारत सरकार के साथ–साथ आवास, रियल एस्टेट और व्यक्तिगत वित्त जैसे ब्याज संवेदनशील क्षेत्रों से कम ब्याज दरों की मांग आ रही है। इस तरह परिवारों की वास्तविक खर्च करने योग्य आय बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रही है, जिसका श्रेय मुद्रास्फीति को देना होगा जो घरेलू बजट को खा रही है। वेतन पर्याप्त तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं इसलिए उपभोक्ता खर्च वृद्धि में खामोशी दिखाई दे रही है जिससे जीडीपी वृद्धि के बारे में चिंताएं पैदा हो रही हैं। इस तरह इस साल जीडीपी वृद्धि दर पिछले साल के 8.2 प्रतिशत की तुलना में कम यानी 6.4 फीसदी है। अगले वर्ष भी विकास दर लगभग 6.5 प्रश रह सकती है इस प्रकार ट्रम्प की नीतियां हमें सीधे चीनी डंपिंग खतरे, शेयर बाजारों से विदेशी निवेशकों के पलायन, कमजोर रुपये और परिणामस्वरूप तरलता की कमी, उच्च ब्याज दरों व मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति के माध्यम से प्रभावित कर रही हैं। बेशक, हमारे सभी आर्थिक संकटों के लिए ट्रम्प की नीतियों को दोष देना गलत है। हम राजकोषीय सीमाओं का भी सामना कर रहे हैं लेकिन केवल सरकारी खर्च से विकास को बढ़ावा देने से काम नहीं चलेगा। निजी निवेश खर्च में भी तेजी आनी होगी। यह उपभोक्ता विश्वास और मांग के बढ़ने पर निर्भर करता है जो रोजगार तथा मजदूरी वृद्धि पर निर्भर करता है। यह सब आपस में जुड़ा हुआ है। इस सबमें मनोविज्ञान एवं भावना को एक बड़ी भूमिका निभानी है। दुनिया में इस बारे में अनिश्चितता है कि विश्व अर्थव्यवस्था के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प कितने विघटनकारी होंगे। अगर वे यूक्रेन में संघर्षविराम के लिए जोर देते हैं तो यह एक प्लस पॉइंट होगा, लेकिन अगर अमेरिका हठवादी रवैये पर कायम रहता है तथा अधिक संरक्षणवादी, अलगाववादी और व्यापारवादी बन जाता है तो यह मुक्त व्यापार के लिए अच्छी खबर नहीं है। एच1बी वीजा में कटौती के उनके फैसले से भारत के सॉफ्टवेयर निर्यात को नुकसान पहुंच सकता है जो मौजूदा समय में अच्छा है। हम इस साल ट्रम्प–प्रभाव और घरेलू आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए एक ऊबड़–खाबड़ रास्ते पर चल रहे हैं।

संन्यास लेने के दौरान ममता कुलकर्णी की आंखें हुईं नम

अभिनेत्री ममता कुलकर्णी प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में संन्यास ले चुकी हैं। ममता का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें संन्यास लेने के लिए किए जा रहे अनुष्ठान के दौरान अभिनेत्री भावुक होती नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अभिनेत्री आध्यात्मिक अनुष्ठान के दौरान भावुक थीं और उनकी आंखों में आंसू थे। वीडियो में ममता को संन्यास के मार्ग को अपनाने की तैयारी करते हुए दिखाया गया। वीडियो में कुलकर्णी भगवा वस्त्र के साथ रुद्राक्ष की माला में दिखाई दीं। महाकुंभ के लिए विशेष रूप से भारत आईं ममता अपनी साथी संन्यासियों के साथ पोज देती दिखाई दीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'करण अर्जुन' फेम अभिनेत्री ने शुक्रवार को महाकुंभ के दौरान किन्नर अखाड़े में आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें आशीर्वाद दिया। कहा जाता है कि ममता ने संगम पर पिंडदान की रस्म निभाई थी और उनका राज्याभिषेक किन्नर अखाड़े में हुआ था। महाकुंभ में संन्यासी बनीं अभिनेत्री को एक नया आध्यात्मिक नाम भी दिया गया। ममता कुलकर्णी को श्श्री यमई ममता नंद गिरिश नाम दिया गया। उन्हें एक भव्य पारंपरिक समारोह के दौरान आधिकारिक तौर पर किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर के रूप में नियुक्त किया गया है। हाल ही में न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ एक साक्षात्कार में ममता ने भारत और मनोरंजन उद्योग से लंबे समय तक बनाए गए दूरी को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया था, मेरे भारत छोड़ने का कारण अध्यात्म था। 1996 में, मेरा झुकाव आध्यात्म की ओर हुआ और उसी दौरान मेरी मुलाकात गुरु गगन गिरि महाराज से हुई। उनके आने के बाद अध्यात्म में मेरी रुचि बढ़ी और मेरी तपस्या शुरू हुई। हालांकि, मेरा मानना है कि बॉलीवुड ने मुझे शोहरत दी। मैंने बॉलीवुड को छोड़ दिया और साल 2000 से 2012 तक तपस्या जारी रखी। अभिनेत्री ने आगे बताया था, "मैंने कई साल दुबई में बिताए, जहां मैं दो बेडरूम वाले फ्लैट में रहती थी और इन 12 सालों में मैंने ब्रह्मचर्य का पालन किया। ममता की आखिरी रिलीज फिल्म साल 2002 में आई 'कभी तुम कभी हम' थी। इसके बाद उन्होंने मनोरंजन जगत को छोड़ दिया था।

> सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में अभिनेत्री आध्यात्मिक अनुष्ठान के दौरान भावुक थी और उनकी आंखों में आंसू थे। वीडियो में ममता को संन्यास के मार्ग को अपनाने की तैयारी करते हुए दिखाया गया। वीडियो में कुलकर्णी भगवा वस्त्र के साथ रुद्राक्ष की माला में दिखाई दीं। महाकुंभ के लिए विशेष रूप से भारत आईं ममता अपनी साथी संन्यासियों के साथ पोज देती दिखाई दीं।

अब सहवाग भी रह जाएंगे तन्हा, शादी के 21 साल बाद पत्नी आरती से हो रहे हैं अलग

बॉलीवुड ही नहीं अब तो खेल जगत में भी रिश्ते संकट में चल रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और उनकी पत्नी आरती के बीच कुछ भी ठीक ना होने की खबरें काफी दिनों से चल रहे हैं। अब ऐसे में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक–दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इस खबर ने फैंस का दिल तोड दिया है। सहवाग और आरती की शादी 2004 में हुई थी और उनके दो बेटे आर्यवीर और वेदांत हैं। पिछले कुछ महीनों में फैंस ने नोट किया कि भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज की पत्नी सोशल मीडिया पर साझा की गई उनकी तस्वीरों से गायब हैं, जो उनके अलगाव की अफवाहों को और हवा देता है। इस जोड़े ने अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन प्रशंसकों के बीच अटकलें लगाई जा रही हैं कि सहवाग की निजी जिंदगी में सब कुछ ठीक नहीं है। दरअसल दीवाली में भी सहवाग ने सिर्फ बच्चों और मां के साथ फोटो पोस्ट की थीं, उनकी पत्नी साथ कही नहीं दिखाई दी। दावा किया जा रहा है कि सहवाग और उनकी पत्नी आरती पिछले कुछ वक्त से अलग रह रहे हैं और जल्द ही वह तलाक के ले सकते हैं। सहवाग के दोनों बेटे आर्यवीर और वेदांत क्रिकेट में सक्रिय है। बॉलीवुड की तरह क्रिकेट जगत में भी तलाक की खबरें आम हो गई हैं। पिछले साल हार्दिक पंड्या का तलाक हुआ था। इसके बाद लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी ध नश्री वर्मा के भी अलग होने की खबरें लगातार आ रही हैं। ऐसे में सहवाग की खबर ने फैंस को निराश कर दिया है।

रिपब्लिक डे को सेलिब्रेट करता फिल्म अगथिया का गाना नदी सुनाएं कहानियां रिलीज

भारत देश के गौरव और संस्कृति पर गर्व की भावना से ओतप्रोत नदी सुनाएं कहानियां गाना फिल्म निर्माताओं द्वारा गणतंत्र दिवस के दो दिन पहले रिलीज किया गया है। रहस्य, फैंटसी और थ्रिल से भरपूर फिल्म अगथिया के निर्माताओं द्वारा भारत की संस्कृति और विरासत को दर्शाता गाना नदी सुनाए कहानियाँ सोशल मीडिया पर जारी किया गया है। 3 मिनट 45 सेकंड के गाने को भारत की अमूल्य धरोहर, यहाँ की जड़ी बूटियाँ और आयुर्वेद के गुणों को केंद्र में रखकर फिल्माया गया है। श्सिद्ध संतों ने खोजा, नाता है सदियों पुराना, जड़ी बूटियों में छुपा है सुख स्वस्थ का जो खजाना के बोल के साथ शुरू होने वाला गीत अपने इतिहास पर गौरवान्वित होने का अवसर देता है। वेल्स फिल्म्स इंटरनेशनल तथा वैमइंडिया के बैनर तले बनी फिल्म अगथिया में तमिल फिल्मों के बड़े स्टार जीवा, खूबसूरत ऐक्ट्रेस राशि खन्ना और मंझे हुए ऐक्टर अर्जुन सारजा प्रमुख भूमिका में नजर आयेंगे। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अभिनेता योगी बाबू, ऐक्टर ऐडवर्ड सोनेनब्लिक भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म के निर्माता अनीश अर्जुन देव और डॉ. इशारी के. गणेश ने संयुक्त रूप से बताया कि फिल्म ष्अगथिया" का थीम ही देश का गौरव और संस्कृति पर गर्व करना है लेकिन नदी सुनाएं कहानियाँ सांग इस भावना को अधिक प्रभावशाली शब्दों से बताने में सफल है। गीत के बोल और मधुर संगीत के साथ ही इस गाने को बेहद सुंदर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच में फिल्माया गया है। दर्शक इस गाने के जरिए देश के विराट प्राकृतिक गौरव का अनुभव कर सकेंगे। इस फिल्म का निर्माण वेल्स फिल्म इंटरनेशनल और वैम इंडिया द्वारा किया गया है। फिल्म के टीजर, पहला सिंगल, गेम और दूसरे सिंगल ने दर्शकों के बीच काफी उत्साह पैदा कर दिया है। फिल्म तमिल और तेलुगु के साथ साथ हिन्दी में भी बड़े स्तर पर सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। फिल्म का टीजर भी रिलीज हो चुका है। फिल्म श्अगथियाश को 28 फरवरी को देशभर के सिनेमागृह में रिलीज किया जाएगा।

शाहरुख खान ने दिया अपकमिंग फिल्म का हिंट, पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के साथ करेंगे किंग

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट शकिंगश की जोरदार तैयारी कर रहे हैं। अभिनेता आखिरी बार दिसंबर 2023 में रिलीज होने वाली डंकी में नजर आए थे और तब से उनके प्रशंसक शाहरुख को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। इस बीच अभिनेता ने रविवार को एक बड़ा खुलासा किया जो उनके प्रशंसकों को खुशी देने के लिए काफी है। अबू धाबी में एक कार्यक्रम के दौरान शाहरुख खान ने पुष्टि की कि वह न केवल फिल्म किंग पर काम कर रहे हैं बल्कि इस फिल्म के लिए अपने पठान निर्देशक के साथ फिर से जुड़ रहे हैं, जिससे उनकी बेटी सुहाना खान भी थिएटर में डेब्यू करेंगी।

क्या कहा शाहरुख ने?

प्रशंसकों की उत्सुकता को देखते हुए शाहरुख ने पुष्टि की कि वह किंग पर काम कर रहे हैं। निर्देशक के नाम का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा, श्मेरी फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद, जिन्होंने पठान भी बनाई थी, बहुत सख्त हैं, वह नहीं चाहते कि कोई भी जानकारी बाहर जाए। हम पिछले कई महीनों से फिल्म पर काम कर रहे हैं और मैं आपको ज्यादा जानकारी नहीं दे सकता। लेकिन, मैं यह वादा जरूर करता हूं कि फिल्म जबरदस्त होने वाली है और आपको मनोरंजन का डबल डोज मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने जवान और पठान जैसे कई टाइटल इस्तेमाल किए हैं, लेकिन अब असली टाइटल इस्तेमाल करने का समय आ गया है जो कि किंग खान शाहरुख खान है। आपको बता दें कि शाहरुख की बेटी सुहाना खान किंग के साथ अपना थिएटर डेब्यू करेंगी क्योंकि उन्हें आखिरी बार ओटीटी फिल्म द आर्चीज में देखा गया था। वहीं किंग एक एक्शन ड्रामा फिल्म है, लेकिन इसकी रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है।

सुजॉय घोष पहले किंग का निर्देशन कर रहे थे

कहानी के निर्देशक सुजॉय घोष पहले किंग का निर्देशन कर रहे थे, लेकिन क्रिएटिव मतभेदों के कारण निर्देशक ने प्री–प्रोडक्शन फेज के दौरान ही फिल्म छोड़ दी। बाद में, रेड चिलीज एंटरटेनमेंट ने सिद्धार्थ आनंद से फिल्म का निर्देशन करने के लिए कहा क्योंकि वह किंग का सह–निर्माण भी कर रहे थे।

'आश्रम' ने बॉबी देओल की डूबती नैया लगाई पार, काम ना मिलने पर नाइट क्लब में डीजे बनकर काटे थे दिन

बॉलीवुड अभिनेता और देओल फैमिली सबसे लाडले बेटे बॉबी देओल आज अपना 56वां जन्मदिन मना रहे हैं। धर्मेंद्र के छोटे बेटे बॉबी का जन्म 27 जनवरी 1969 को मुंबई में हुआ था। बॉबी, धर्मेंद्र और उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बेटे हैं। बरसात फिल्म से अपना करियर शुरु करने वाले बॉबी देओल ने शोल्जर, गुप्तरू द हिडिन ट्रुथ, दिल्लगी, बादल, बिच्छू, क्रांति जैसी कई फिल्मों में काम किया है। ओटीटी की दुनिया में भी वह श्आश्रमश जैसी वेब सीरीज के जरिए तहलका मचा चुके हैं। बॉबी देओल को अभिनय के गुण अपने पिता से विरासत में मिले हैं। अपने करियर में बॉबी देओल को पिता धर्मेंद्र और बड़े भाई सनी देओल जैसी लोकप्रियता तो नहीं मिली, लेकिन उन्होंने अपना एक अच्छा–खासा मुकाम हासिल किया है। उन्होंने कई शानदार फिल्मों में काम किया है। बॉबी ने साल 1977 में आई फिल्म श्धर्मवीरश में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया। इसके बाद उन्होंने फिल्म श्बरसातश से बतौर लीड एक्टर बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसमें उनकी एक्टिंग लोगों को काफी पसंद आई। बॉबी को इस फिल्म के लिए बेस्ट मेल डेब्यू का अवॉर्ड भी मिला। उन्होंने श्सोल्जरश, श्हमराजश, श्बादलश, श्बिच्छुश जैसी कई बेहतरीन फिल्में कीं। हालांकि, फिर उन्हें काम मिलना बंद हो गया और ये समय काफी लंबा चला। मगर, हैरानी की बात यह है कि बॉलीवुड में अच्छा नाम कमाने और फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखने के बावजूद एक वक्त ऐसा था, जब बॉबी देओल के पास काम नहीं था। ऐसे में उन्होंने दिल्ली के नाइट क्लब में बतौर डीजे काम किया था। बॉलीवुड में देओल खानदान के इस वारिस को लगभग 10 वर्षों तक कोई काम नहीं मिला। हालांकि, इस दौरान उन्होंने भी काम मांगने का प्रयास नहीं किया। जिसके बाद आखिरकार उन्होंने साल 2016 में दिल्ली के नाइट क्लब में डीजे का काम शुरु कर दिया। बॉबी देओल के इस मुश्किल वक्त में सलमान खान मसीहा बनकर आए और इंडस्ट्री में उनकी वापसी कराई। साल 2018 में सलमान खान ने बॉबी को फिल्म श्रेस 3श का ऑफर दिया। वहीं, बॉबी को इसी दिन का इंतजार था। ऐसे में उन्होंने इस फिल्म में काम किया। इससे उनकी किस्मत थोड़ी बदल गई। फिल्म श्रेस 3श के बाद बॉबी श्हाउसफुल 4श में दिखे। फिर उन्हें मिली वेब सीरीज श्आश्रमश, जो बॉबी देओल के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। अब तक इस सीरीज के तीन सीजन आ चुके हैं।

फैन्स ने नहीं छोड़ा साथ

जब बॉबी देओल का वक्त बुरा था, काम नहीं मिल रहा था। वे जब भी कहीं बाहर जाते, तो उनके फैन्स उनसे कहते कि हम आपको जल्द ही स्क्रीन पर देखना चाहते हैं। तब उनको एहसास हुआ कि उनके पास फैन्स हैं, लेकिन फिल्ममेकर्स उनको काम नहीं देना चाहते। उन्होंने अपने ऊपर मेहनत करनी शुरू की। अपनी सेहत का खयाल रखने लगे। उनकी आदत नहीं थी, लोगों से मिलने की। पर काम के लिए उन्होंने खुद को बदला और जो लोग उन्हें एरोगेंट समझते थे, उनसे मिलना शुरू किया। पर कोई भी बॉबी का साथ देने के लिए राजी नहीं था। बॉबी ने खुद के कमबैक की योजना बनाई। अपने लिए एक फिल्म प्लान की। उसके लिए दाढ़ी बढ़ाई। पर पिक्चर इन सबसे तो बनती नहीं है। इसके लिए चाहिए होता है रोकड़ा, जो बॉबी के पास था नहीं। फिल्म बंद हो गई। इस दौरान उन्होंने बिजनेस में भी हाथ आजमाए, एक रेस्तरां कम बैंक्विट हॉल खोला, सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग(ब्स्) में खेलना शुरू किया। बॉबी पर मीडिया ने फोकस करना भी बंद कर दिया पर 2014 वो साल रहा, जब बॉबी फिर से चर्चा में आए पर इसकी वजह कोई फिल्म नहीं, बल्कि एक अफ़वाही तमाचा था। एक इंग्लिश अखबार ने खबर छापी कि करण जौहर की बर्थडे पार्टी में शराब के नशे में धुत बॉबी को एक गार्ड ने कंटाप जड़ दिया। बाद में करण ने एक ट्वीट कर कहा, 'ये सब झूठ है, हमने बहुत मजे किए।

एनीमल जैसी बड़ी फिल्म मिलने की कहानी

एक दिन फिल्म निर्देशक संदीप वांगा रेड्डी ने बॉबी देओल से मुलाकात करने की इच्छा जाहिर की। मुलाकात के वक्त वांगा रेड्डी के फोन में बॉबी की एक फोटो थी।

फेशियल लेने के बाद, कभी न करें ये 4 चीजें

फेशियल एक ऐसा स्कीन केयर ट्रीटमेंट है जिसकी मदद से त्वाचा चमकदार और मुहांसो का उपचार किया जा सकता है। फेशियल में स्टीम, एक्सफोलिएशन, एक्सट्रेक्शन, क्रीम, लॉशन, फेशियल मस्क और मसाज के स्टेप्स होते है। फेशियल की मदद से त्वाचा की सफाई, एक्सफोलिएशन और त्वाचा को पोषण प्राप्त होने के साथ–साथ मुहांसो और आंखो के नीचे काले–घेरों को दूर करता है। फेशियल लेने के बाद कई सारी सावधानियां बरतने पड़ती है। स्कीन विशेषाज्ञय अक्सर सलाह देते है फेशियल कराने के बाद, धूप में नहीं जाना चाहिए। आइए आपको बताते है फेशियल लेने के बाद, कभी न करें ये 4 चीजें।और जानें

चेहरे को बिल्कुल न छुए

फेशियल लेने के बाद अपने फेस को छुए नहीं, ऐसा करने से त्वाचा में बैक्टेरिया उत्पन्न हो जाते है। जिसकी वजह से मुहांसे निकालने लगेंग। फेशियल कराने के बाद फेस को छुने से कई सारे पींपल, पोर्स, ब्रकेआउट और ऐलर्जी उत्पन्न हो जाती है।

मेकअप नजरअंदाज करें

फेशियल लेने के बाद त्वाचा बहुत ही सेंसिटिव हो जाती है। मेकअप करने से ब्रकेआउट, रेडनेस और पींपल्स होने लगते है। मेकअप प्रोडक्टस में केमिकल होते है जिसके कारण कई सारी स्कीन प्रॉबल होने लगते है।

धूप में न निकले

फेशियल के बाद, त्वचा संवेदनशील और नाजुक हो जाती है। जिसकी वजह से हानिकारक यूवी किरणें त्वचा में गहराई तक प्रवेश कर सकती हैं,जिससे चेहरे की लालिमा और एलर्जी हो सकती है।

सुई का उपयोग

फेशियल कराने से पहले सुई का इस्तेमाल करना बाद में करने से बेहतर है। जब आप फेशियल करवाती हैं, तो त्वचा कुछ दिनों के लिए संवेदनशील और नाजुक हो जाती है। संवेदनशील त्वचा पर केमिकल और सुइयों का उपयोग करने से त्वचा को नुकसान हो सकता है।

किडनी स्टोन का दर्द होगा गायब, अपनाएं ये घरेलू उपाय

किडनी स्टोन एक ऐसी समस्या है, जो किसी भी व्यक्ति को दर्द और असुविधा का सामना करवा सकती है। यह तब होता है जब किडनी में मिनरल्स और साल्ट क्रिस्टल्स जमा होकर पथरी का रूप ले लेते हैं। किडनी स्टोन के दर्द की तीव्रता इतनी होती है कि व्यक्ति को तुरंत इलाज की आवश्यकता महसूस होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि किडनी स्टोन के दर्द को घरेलू नुस्खों से भी कम किया जा सकता है? इस लेख में हम आपको कुछ प्रभावी घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिन्हें आप आसानी से अपने घर पर इस्तेमाल कर सकते हैं और किडनी स्टोन के दर्द से राहत पा सकते हैं।

किडनी स्टोन के कारण और जोखिम तत्व

किडनी स्टोन के निर्माण के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें आहार, जलवायु, जीवनशैली और पारिवारिक इतिहास शामिल हैं। इसके अलावा, शरीर में पानी की कमी और अनहेल्दी डाइट भी इस समस्या को बढ़ा सकती है। आमतौर पर, 30 से 60 वर्ष की आयु के लोग इस समस्या से अधिक प्रभावित होते हैं, लेकिन आजकल यह समस्या छोटे बच्चों और युवा वयस्कों में भी देखी जा रही है। पुरुषों में किडनी स्टोन का खतरा महिलाओं की तुलना में अधिक होता है, खासकर 40 से 50 साल के बीच। महिलाओं में यह समस्या अधिकतर 20 से 40 साल की उम्र में होती है।

किडनी स्टोन के दर्द को कम करने के घरेलू नुस्खे

किडनी स्टोन का दर्द बेहद तीव्र हो सकता है, लेकिन कुछ घरेलू उपायों को अपनाकर इसे कम किया जा सकता है। यहां कुछ ऐसे प्रभावी घरेलू नुस्खे दिए गए हैं, जिनसे आप किडनी स्टोन के दर्द को कंट्रोल कर सकते हैं।

नींबू और जैतून का तेल

नींबू में साइट्रिक एसिड पाया जाता है, जो किडनी स्टोन को टूटने में मदद करता है। वहीं, जैतून का तेल भी इसके टूटने की प्रक्रिया को तेज करता है। एक चम्मच जैतून के तेल में आधे नींबू का रस मिला कर दिन में दो बार पीने से किडनी स्टोन का आकार कम हो सकता है और दर्द में भी राहत मिलती है।

बेकिंग सोडा और पानी

बेकिंग सोडा शरीर के पीएच स्तर को संतुलित करता है और किडनी स्टोन को ढीला करने में मदद करता है। इसके लिए एक गिलास पानी में एक छोटा चम्मच बेकिंग सोडा डालकर पीने से किडनी के स्टोन में आराम मिलता है। यह नुस्खा किडनी के दर्द को भी कम करता है और स्टोन को बाहर निकालने में सहायक है।

तरबूज

तरबूज में उच्च मात्रा में पानी होता है, जो किडनी को फ्लश करने में मदद करता है। इसके अलावा, तरबूज में पोटेशियम भी होता है, जो किडनी स्टोन को बाहर निकालने में सहायक है। इसके सेवन से किडनी की सफाई होती है और स्टोन का दर्द भी कम होता है। आप दिन में तरबूज का जूस पी सकते हैं या फिर ताजे टुकड़े खा सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो किडनी स्टोन के निर्माण को रोकने में मदद करते हैं। यह किडनी के स्वास्थ्य को बनाए रखने और शरीर से अतिरिक्त टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में सहायक होती है। रोजाना ग्रीन टी का सेवन करने से किडनी स्टोन की समस्या कम हो सकती है। इसके अलावा, ग्रीन टी किडनी स्टोन को बनने से रोकने में भी मदद करती है।

अजवाइन और पानी

अजवाइन में प्राकृतिक रूप से एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो किडनी स्टोन के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। एक चम्मच अजवाइन को पानी में उबालकर उसे पिएं। इससे किडनी की सफाई होती है और दर्द में भी राहत मिलती है।

कुछ अन्य टिप्स जो किडनी स्टोन से राहत दिलाने में मदद करें।

अधिक पानी पिएं: किडनी स्टोन को बाहर निकालने के लिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। दिन में कम से कम 8–10 गिलास पानी पिएं, जिससे किडनी में जमा स्टोन बाहर निकलने में मदद मिलेगी।

संतुलित आहार लें: किडनी स्टोन को बढ़ने से रोकने के लिए फलों और हरी सब्जियों का सेवन करें। साथ ही, प्यूरीफाइड पानी पिएं और प्रोसेस्ड फूड्स से बचें।

नमक का सेवन कम करें: अत्यधिक नमक किडनी स्टोन के निर्माण को बढ़ा सकता है, इसलिए नमक का सेवन सीमित करें।

किडनी स्टोन का दर्द वाकई बहुत परेशान करने वाला हो सकता है, लेकिन कुछ घरेलू नुस्खों से आप इस दर्द को नियंत्रित कर सकते हैं। नींबू, जैतून का तेल, बेकिंग सोडा, तरबूज, ग्रीन टी, और अजवाइन जैसे प्राकृतिक उपाय किडनी स्टोन को तोड़ने और दर्द को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। हालांकि, यदि किडनी स्टोन का दर्द लगातार बढ़ता है या कोई गंभीर समस्या महसूस हो रही है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

एक बार घर पर बना लें कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स, सब बार-बार खाने के लिए मांगेंगे, नोट करें आसान विधि

भारत में इन दिनों कोरियन खाने का ट्रेंड खूब बढ़ गया है। आजकल सोशल मीडिया पर भी कोरियन खाने की रेसिपीज वायरल होती रहती हैं। कोरियन स्पाइसी नूडल्स को ज्यादातर लोग खाना पसंद करते हैं क्योंकि ये खाने में काफी अलग और बेहद टेस्टी है। यदि आप ने भी कोरियन डिशेज नहीं खाई हैं, तो आप घर आसानी से कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स बना सकते हैं। इसे बनाना काफी आसान है, चलिए आपको रेसिपी बताते हैं।

कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स बनाने के लिए आपको चाहिए–

– चार उबले मसले हुए आलू
– चार बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर
– एक बड़ा चम्मच तेल
– चार से पांच लहसुन की कटी हुई कलियां
– दो बड़े चम्मच सोया सॉस
– एक बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया
– आधा बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
– आधा छोटा चम्मच सफेद तिल
– एक से डेढ लीटर पानी

कैसे बनाएं कोरियन चिली पोटैटो बॉल्स

इसे बनाने के लिए चिली पोटैटो बॉल्स बनाने के लिए सबसे पहले कुछ आलू लें और इसे अच्छे से धो लें। फिर इन आलू को अच्छे से उबाल लीजिए। उबालने के बाद इन आलू को मसले लें। अब 4 बड़े चम्मच कॉर्नफ्लोर आटा मसले आलू में डाल दीजिए और इसे अच्छे से मिलाएं। आलू का आटा आपका तैयार है। इस आटे का छोटा–छोटा हिस्सा लें और बॉल्स तैयार कर लें। अब एक पैन में एक लीटर पानी और एक बड़ा चम्मच तेल डालें और इसमें आलू के बॉल्स डालें। फिर इसे कम से कम 10 मिनट तक उबालें। अब इन उबले आलू में धनिया पत्ती. चार लहसुव की कटी हुई कलियां, जो बड़े चम्मच सोया सॉस, आधा बड़ा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, सफेद तिल और आधा कप गर्म तेल डालें। सभी को अच्छे से मिलाएं और कोरियाई चिली पोटैटो बॉल्स का मजा लें।

कच्चा शहद फटे होंठों को ठीक करता है और नेचुरली नमी प्रदान करता है। जबकि इलायची का तेल स्किन के लिए एक नेचुरल कंडीशनर के रूप में कार्य करता है। इलायची के एंटी–बैक्टीरियल गुणों और नेचुरल सूदिंग गुण, आपके होंठों का अधिक बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं।

मुलायम और खूबसूरत हर किसी को अच्छे लगते हैं। अमूमन अपने होंठों की देखभाल करने के लिए हम लिप बाम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप मार्केट से लिप बाम लाने के बारे में सोच रही हैं तो यह आपकी जेब पर भारी पड़ सकता है। साथ ही साथ, कई बार यह आपके सेंसेटिव होंठों को परेशान भी कर सकता है। इसलिए, आप खुद घर पर ही लिप बाम बनाएं। इसके लिए इलायची का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है।

इलायची के एंटी–बैक्टीरियल गुणों और नेचुरल सूदिंग गुण, आपके होंठों का अधिक बेहतर तरीके से ख्याल रख सकते हैं। यह आपके होंठों को अधिक हाइड्रेटेड महसूस करवाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको घर पर ही इलायची की मदद से बनने वाले लिप बाम के तरीकों के बारे में बता रहे हैं–

इलायची–वेनिला लिप बाम

इलायची का तेल आपके होंठों को रिजुविनेट करने के साथ–साथ पिगमेंटेशन कम होता है। वहीं, कोको बटर नमी को लॉक करता है और सूखे होंठों को आराम देता है।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच बादाम का तेल
1 बड़ा चम्मच कोकोआ बटर
1 छोटा चम्मच बीवैक्स
1/2 छोटा चम्मच वेनिला एक्सट्रैक्ट
4 बूंदें इलायची एसेंशियल ऑयल

लिप बाम बनाने का तरीका–

बादाम का तेल, कोकोआ बटर और बीवैक्स को डबल बॉयलर में पिघलने तक गर्म करें।

वेनिला एक्सट्रैक्ट और इलायची एसेंशियल ऑयल डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

मिश्रण को कंटेनर में डालें और ठंडा होने दें।

इलायची और शहद से बनाएं लिप बाम

कच्चा शहद फटे होंठों को ठीक करता है और नेचुरली नमी प्रदान करता है। जबकि इलायची का तेल स्किन के लिए एक नेचुरल कंडीशनर के रूप में कार्य करता है।

आवश्यक सामग्री–

1 बड़ा चम्मच जैतून का तेल
1 बड़ा चम्मच बीवैक्स
1 छोटा चम्मच कच्चा शहद
4 बूंद इलायची एसेंशियल ऑयल

लिप बाम बनाने का तरीका–

डबल बॉयलर का उपयोग करके बीवैक्स और जैतून के तेल को एक साथ पिघलाएं।

अब आप इसमें शहद और इलायची आवश्यक तेल मिलाएं। कंटेनर में डालें और कुछ घंटों के लिए छोड़ दें।

पैकेट आइटम्स नहीं, बच्चों को दें ये होममेड स्नैक्स

बच्चों को स्नैकिंग करना काफी अच्छा लगता है। लेकिन जब बात कुछ हल्का फुल्का खाने की हो तो अक्सर बच्चे जंक फूड व पैकेज्ड फूड का सेवन करना काफी पसंद करते हैं। लेकिन जंक फूड खाना बच्चों की सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। जंक फूड में ना केवल शुगर अधिक होती है, बल्कि इनमें किसी तरह का पोषण नहीं होता है और इसलिए इन्हें बच्चों से दूर रखने में ही भलाई है। जहां मार्केट से मिलने वाले स्नैक देखने में आकर्षक और टेस्टी होते हैं और इसलिए बच्चे इन्हें बेहद चाव से खाते हैं। लेकिन अगर आप बच्चों के टेस्ट के साथ–साथ उनकी सेहत का भी ख्याल रखना चाहते हैं तो ऐसे में खुद घर पर ही उनके लिए कुछ स्नैकिंग आइटम्स बनाएं। ये होममेड विकल्प ना केवल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, बल्कि बच्चों को भी काफी पसंद आएंगे। तो चलिए जानते हैं ऐसे ही कुछ होममेड स्नैक्स के बारे में–

फल और दही पॉप्सिकल्स

चीनी से भरी आइसक्रीम को छोड़कर आप बच्चों को कलरफुल व हेल्दी पॉप्सिकल्स बनाकर दें। आप आम, स्ट्रॉबेरी या केले जैसे ताजे फलों को दही और थोड़े से शहद के साथ मिलाएँ। पॉप्सिकल मोल्ड में डालें और फ्रीज करें। ये ठंडे, मीठे और स्टिक पर कैंडी की तरह दिखते हैं। साथ ही, इनमें कोई कृत्रिम रंग या अतिरिक्त चीनी नहीं होती।

मिनी इडली स्क्यूअर्स

बच्चे के स्नैकिंग टाइम को अगर आप बेहद ही टेस्टी बनाना चाहती हैं तो ऐसे में मिनी इडली को एक नए अंदाज में सर्व करें। उन्हें चेरी टमाटर, खीरे और पनीर के छोटे टुकड़ों के साथ बारी–बारी से स्क्यूअर्स पर पिरोएं। अतिरिक्त स्वाद के लिए थोड़ी चटनी या केचप डालें। यह देखने में कबाब जैसा लगता है, लेकिन बच्चों को काफी पसंद आता है।

स्वीट पोटैटो फ्राई

बच्चों को अक्सर डीप–फ्राइड पोटैटो चिप्स काफी पसंद आते हैं। आप इन्हें स्वीट पोटैटो फ्राई से बदल सकती हैं। इसके लिए आप शकरकंद को छीलकर स्टिक में काट लें, उन्हें ऑलिव ऑयल, एक चुटकी नमक और पेपरिका के साथ मिलाएं और क्रिस्पी होने तक बेक करें। वे दिखने और स्वाद में फ्राई जैसे होते हैं लेकिन उनमें प्राकृतिक मिठास का अहसास होता है।

संक्षिप्त

बजट में सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने का कारोबार पर पड़ेगा असर, डब्ल्यूजीसी ने रिपोर्ट में जताई आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले जुलाई में सोने पर आयात शुल्क कम करने के सरकार के फैसले का उद्योग पर काफी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और आगामी बजट में टैरिफ में किसी भी तरह की वृद्धि कारोबार पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने यह आशंक जताई है। 2025–26 के बजट से पहले कीमती धातु पर आयात शुल्क न बढ़ाने का अनुरोध करते हुए डब्ल्यूजीसी के भारत के क्षेत्रीय सीईओ सचिन जैन ने कहा, आगामी बजट में आयात शुल्क में किसी भी वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है, जिससे तस्करी में वृद्धि, घरेलू सोने की कीमतों में वृद्धि और उद्योग को पीछे धकेलने की आशंका है। एक बजट पूर्व नोट में जैन ने कहा, यह जरूरी है कि सरकारी निकायों, उद्योग जगत के लोगों और वित्तीय संस्थानों सहित सभी हितधारक बाजार की सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए सहयोग करें। एक तालमेलपूर्ण भरे वातावरण को बढ़ावा देकर, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि स्वर्ण उद्योग फलता–फूलता रहे, नवाचार करता रहे और भारत के आर्थिक विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे। जैन ने कहा कि वे पिछले दशक की तरह, बजट में प्रगतिशील, लोगों के अनुकूल और उद्योग को मदद पहुंचाने वाली घोषणाओं की उम्मीद कर रहे हैं। सोने का उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद में अनुमानित रूप से 1.3 प्रतिशत का योगदान देता है और लगभग 20 से 30 लाख लोगों को रोजगार देता है। जुलाई में पेश किए गए बजट 2024 में सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था। डब्ल्यूजीसी का दावा है कि सीमा शुल्क में कटौती से अनौपचारिक आयात को कम करने, आधिकारिक चौनलों को स्थिर करने और सोने की घरेलू खरीद को प्रोत्साहित करने में मदद मिली है। सोने पर करों में कमी से एक अधिक संगठित और पारदर्शी उद्योग को बढ़ावा मिला है, जिससे बाजार मजबूत हुआ है। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होगा और तय कार्यक्रम के अनुसार 4 अप्रैल को समाप्त होगा। केंद्रीय बजट 2025, 1 फरवरी को पेश किया जाएगा। उससे पहले, 31 जनवरी को वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। सभी की निगाहें मोदी 3.0 कार्यकाल के शेष समय के लिए प्रमुख घोषणाओं और दूरगामी आर्थिक योजनाओं पर होगी। यह बजट कमजोर जीडीपी आंकड़ों और अर्थव्यवस्था में खपत में नरमी के बीच पेश किया जा रहा है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 824 अंक गिरा, निफ्टी 22850 से नीचे पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 824.29 (1.08:) अंक टूटकर 75,366.17 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 263.05 (1.14:) अंक फिसलकर 22,829.15 पर बंद हुआ। सोमवार को बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 9.43 करोड़ रुपये घटकर 410.08 लाख करोड़ रुपये हो गया।

सेबी को मिलेगा नया अध्यक्ष, माधबी पुरी बुच को हटाने की तैयारी, सरकार ने मंगाए चेयरमैन पद के लिए आवेदन

सेबी को नया चीफ मिल सकता है। सरकार अब सेबी की चीफ माधबी पुरी बुच को हटाने की तैयारियों में जुट गई है। इसे देखते हुए वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने पूंजी बाजार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के अध्यक्ष के पद को भरने के लिए समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी किए हैं। 'भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड में

अध्यक्ष का पद भरना' शीर्षक वाले विज्ञापन में मुंबई में सेबी अध्यक्ष के पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सभी आवेदन 17 फरवरी 2025 तक या उससे पहले भेजे जाने चाहिए। यह विज्ञापन ऐसे समय में आया है जब मौजूदा सेबी चेयरमैन माधबी पुरी बुच का तीन साल का कार्यकाल 28 फरवरी 2025 को खत्म हो रहा है।

नये सेबी अध्यक्ष का कार्यकाल होगा इतना बड़ा

न्यूजपेपर में आए विज्ञापन के अनुसार, सेबी अध्यक्ष की नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अधिकतम पांच वर्ष की अवधि के लिए या नियुक्त व्यक्ति की 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, के लिए की जाएगी।

नए सेबी अध्यक्ष को मिलेगा इतना वेतन

अध्यक्ष के पास वेतन प्राप्त करने का विकल्प होगा – (क) भारत सरकार के सचिव को स्वीकार्य; (ख) या 5,62,500/– (पांच लाख बासठ हजार पांच सौ रुपये मात्र) प्रति माह का समेकित वेतन (घर और कार के बिना)।

माधबी पुरी बुच का कार्यकाल समाप्त होने वाला

वर्तमान सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी, 2025 को समाप्त होगा। मार्च 2022 में तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त, वह सेबी प्रमुख के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला बनीं। हालांकि, पिछले कुछ महीनों में उनके कार्यकाल को कुछ कठिनाइयों और कठिन आरोपों का सामना करना पड़ा है, क्योंकि अमेरिका स्थित शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में अडानी समूह द्वारा कथित स्टॉक हेरफेर से जुड़े एक मामले में हितों के टकराव के आरोप लगाए गए हैं।

जसप्रीत बुमराह बने 2024 के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर, सम्मान पाने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2024 का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर चुना गया है। इस पुरस्कार के लिए भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट, इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस भी नामित थे लेकिन बुमराह ने इन सभी को पछाड़कर पुरस्कार जीता।

2024 में बुमराह ने किया प्रभावित

बुमराह ने हाल ही में टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए, जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। आईसीसी ने पर्थ में बुमराह के मैच का रुख बदलने वाले स्पैल को उनके सबसे यादगार प्रदर्शन में से एक माना था जिसकी बदौलत भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया में किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

पिछले कैलेंडर वर्ष में बुमराह ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 71 विकेट चटकाए और इस प्रारूप में सबसे सफल गेंदबाज रहे। चाहे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियां हों या स्वदेश में तेज गेंदबाजों के लिए कठिन परिस्थितियां, बुमराह ने पूरे साल प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इस तेज गेंदबाज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था।

दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए बुमराह

71 विकेट लेने के बाद बुमराह एक कैलेंडर वर्ष में 70 से अधिक टेस्ट विकेट लेने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बने। इस तरह वह रविचंद्रन अश्विन, अनिल कुंबले और कपिल देव की लिस्ट में शामिल हो गए।

बुमराह से पहले इन भारतीयों को मिल चुका है यह पुरस्कार

बुमराह से पहले राहुल द्रविड़ (2004), गौतम गंभीर (2009), वीरेंद्र सहवाग (2010), रविचंद्रन अश्विन (2016) और विराट कोहली (2018) भी यह पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। बुमराह हालांकि, भारत के पहले तेज गेंदबाज हैं जिन्हें साल का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट खिलाड़ी चुना गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए थे बुमराह

बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें टेस्ट मुकाबले के दौरान पीठ की समस्या से जूझ रहे थे। इस कारण उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी नहीं चुना गया, जबकि वनडे सीरीज के शुरुआती दो मैचों से भी वह बाहर हैं। इसके अलावा तीसरे वनडे में भी उनका खेलना तय नहीं है। अनुभवी गेंदबाज को चौंपियंस ट्रॉफी के लिए भी 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है, लेकिन उनका इस टूर्नामेंट में खेलना पूरी तरह फिटनेस पर निर्भर करेगा।

भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना बनीं साल की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर, दूसरी बार जीता पुरस्कार

दुबई, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना आईसीसी की साल की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर चुनी गई हैं। मंधाना ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया था और 13 मैचों में 747 रन बनाए थे। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनके द्वारा बनाए गए सर्वाधिक रन थे। मंधाना ने इस दौरान 57.86 के औसत और 95.15 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। मंधाना ने इस दौरान चार वनडे शतक लगाए थे जो महिलाओं में एक रिकॉर्ड है। मंधाना ने 2024 में 95 चौके और छह छक्के जड़े थे और वह आईसीसी महिला चौंपियनशिप में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज थीं। यह दूसरी बार है जब मंधाना साला की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुनी गई हैं। वह ऐसा करने वाली दुनिया की दूसरी महिला बल्लेबाज हैं। उनसे पहले न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स इस क्लब में शामिल एकमात्र महिला क्रिकेटर थीं।

28 साल की मंधाना ने पिछले साल 13 मैचों में 747 रन बनाए थे। वह साल 2024 की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज रही थीं। मंधाना ने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 29 गेंद में 29 रन बनाकर की थी। इसके बाद उन्हें अगले वनडे के लिए छह महीने का इंतजार करना पड़ा था। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जब वह खेलीं तो शानदार फॉर्म में दिखीं। मंधाना ने 2024 में चार शतक के अलावा तीन अर्धशतक भी लगाए। इस दौरान उनका सर्वश्रेष्ठ निजी स्कोर 136 रन रहा था।

सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम में भी मिली थी जगह

आईसीसी ने हाल ही में सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे टीम की घोषणा भी की थी जिसमें दो भारतीय को जगह दी गई थी। इनमें स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा शामिल थीं। मंधाना को इसमें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह दी गई थी। स्मृति के अलावा श्रीलंका की चामरी अट्टापट्टू, दक्षिण अफ्रीका की लौरा वोलवार्ट और ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ी पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं, लेकिन मंधाना ने इन सभी को पीछे छोड़ा।

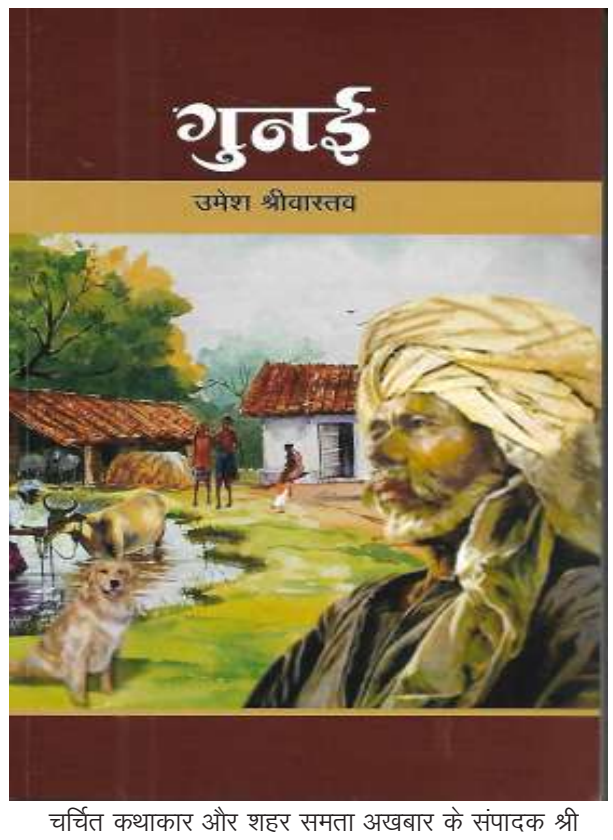

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

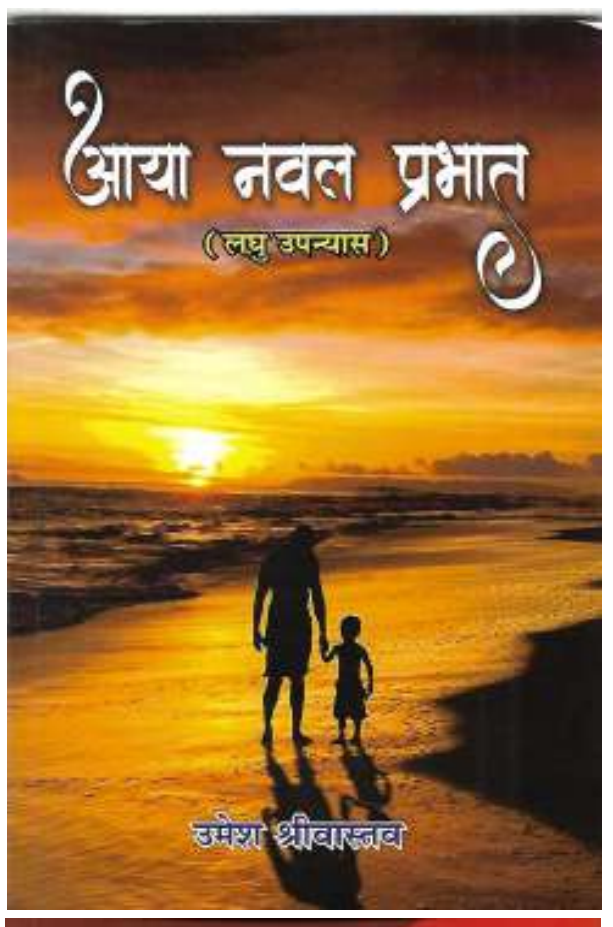

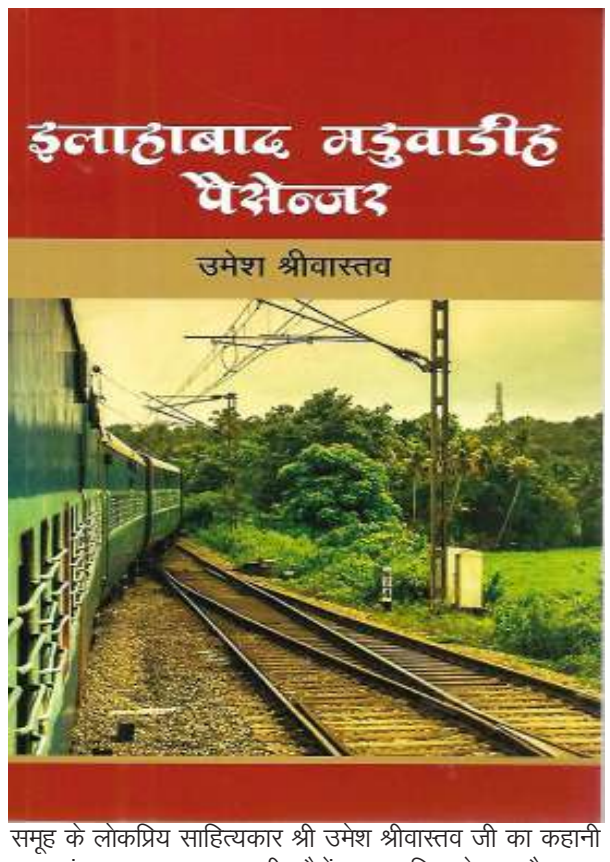

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

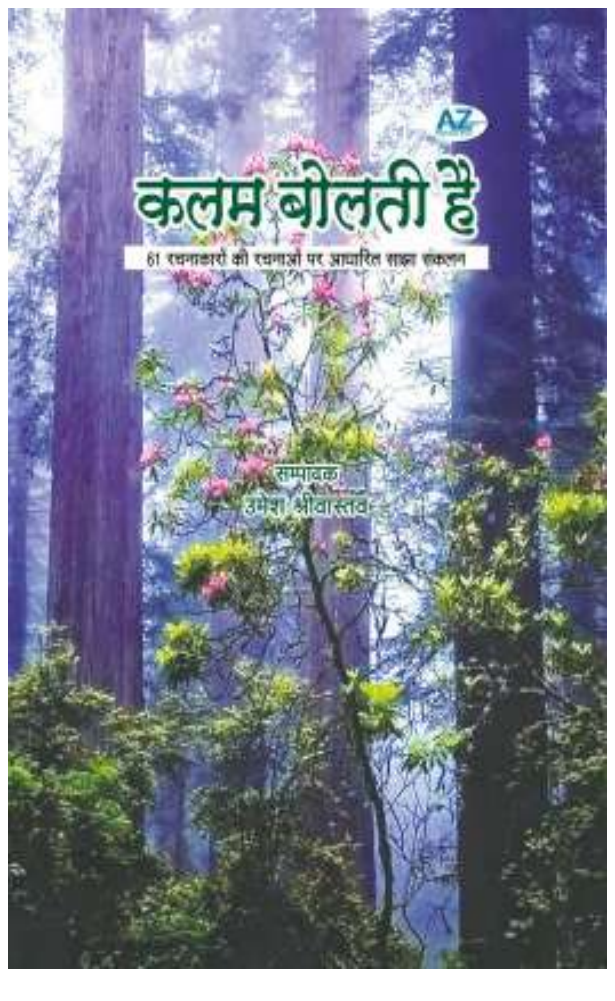

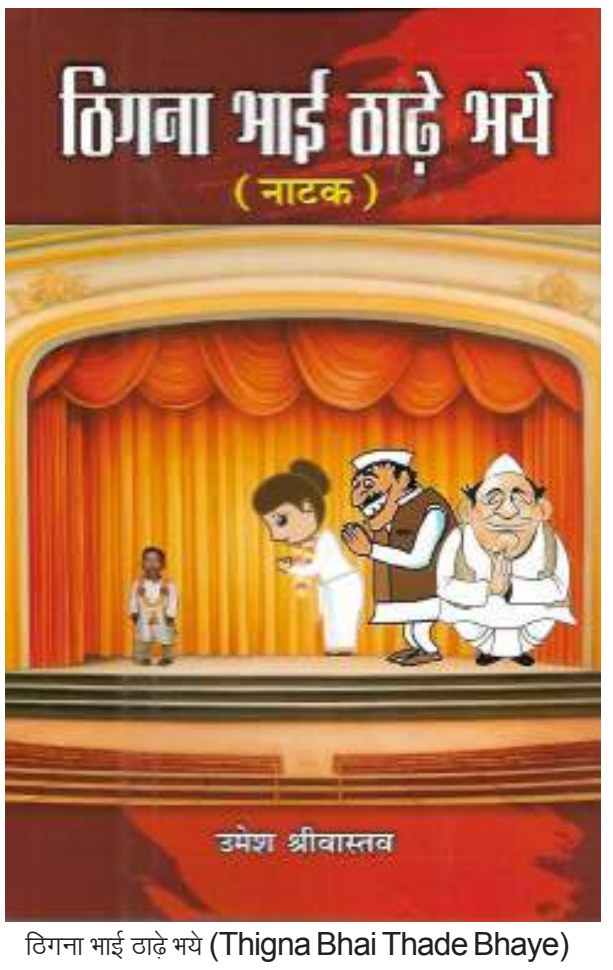

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

सोशल मीडिया पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली जान से मारने की धमकी, अलर्ट पर हुई सर्विस

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी मिली है। ये धमकी फ्लोरिडा के शैनन एटकिंस ने दी है। जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। एफबीआई की ओर से मिली सूचना के आधार पर युवक की गिरफ्तारी हुई है। आरोपी युवक की उम्र 46 वर्ष है, जिसने सोशल मीडिया पर धमकी भरे कई पोस्ट किए थे। इन पोस्ट में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को निशाना बनाया था। पुलिस ने शनिवार को बताया कि फ्लोरिडा के एक व्यक्ति को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ ऑनलाइन धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। वेस्ट पाम बीच पुलिस ने एक समाचार विज्ञप्ति में बताया कि एफबीआई खतरा केंद्र को दी गई सूचना के आधार पर शुक्रवार रात को 46 वर्षीय शैनन डेपरा एटकिंस को गिरफ्तार किया गया। उस पर हत्या, शारीरिक चोट पहुंचाने या सामूहिक गोलीबारी या आतंकवादी कृत्य करने की लिखित या इलेक्ट्रॉनिक धमकी देने का आरोप है। एटकिंस को एक ट्रैफिक स्टॉप के बाद गिरफ्तार किया गया और उसके पास कोकीन पाया गया, जिसके कारण उस पर ड्रग चार्ज भी लगाया गया। शनिवार को उसे बिना जमानत के हिरासत में रखा गया। उसका प्रतिनिधित्व करने वाले पब्लिक डिफेंडर का कार्यालय शनिवार को बंद था और टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं था। कथित ऑनलाइन धमकियों की प्रकृति के बारे में तुरंत जानकारी नहीं दी गई। एटकिंस पाम बीच में ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट से कुछ मील की दूरी पर रहते हैं, लेकिन इस बात का कोई संकेत नहीं है कि उन्होंने वहां जाने की दिशा में कोई कदम उठाया है। वेस्ट पाम बीच पुलिस ने कहा कि सीक्रेट सर्विस यह निर्धारित करेगी कि कोई संघीय आरोप दायर किया जाएगा या नहीं।

पाकिस्तान में पत्रकार आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार, पंजाबी अधिकारियों की हत्या को बताया था वैध

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने एक वरिष्ठ पत्रकार को आतंकवाद के आरोप के तहत गिरफ्तार किया। आरोप है कि पत्रकार ने श्पंजाबी अधिकारियों की हत्या को वैधश बताया था। राजिश लियाकतपुरी एक दैनिक अखबार के संपादकीय प्रभारी रह चुके हैं और कई किताबों के लेखक भी हैं। उन्हें शनिवार को गिरफ्तार किया गया। लियाकतपुरी लाहौर से 400 किलोमीटर दूर रहीम यार खान के रहने वाले हैं। पत्रकार पर पाकिस्तान के इलेक्ट्रॉनिक अपराध निवारण अधिनियम (पीईसीए) के तहत भी विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि लियाकतपुरी को उनके फेसबुक पोस्ट के कारण के आतंकवाद और अन्य आरोपों के तहत गिरफ्तार किया गया है। इस पोस्ट में उन्होंने पंजाबी अधिकारियों की हत्या को वैध ठहराया था और पंजाब में एक नए प्रांत श्सराईकिस्तानश की मांग की थी। इसे पंजाबी प्रशासन से स्वतंत्र बनाने की बात की गई थी। लियाकतपुरी के परिवार और पत्रकारों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें तीन दिन पहले एक छापे में गिरफ्तार किया। लेकिन उन्हें गोपनीय तरीके से किसी अज्ञात स्थान पर रखा गया और शनिवार रात तक उनके गिरफ्तार होने की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

हिंदी गाना सुनती ही नाचने लगता हूं, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने भारत आकर दिखाया अपना डीएनए टेस्ट, चौंक गया भारत

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आए इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने जाने से ठीक पहले एक ऐसा ऐलान कर दिया है, जिसने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। किसी को उम्मीद नहीं थी कि जाने से पहले प्रबोवो सुबियांतो अपने बारे में एक ऐसा खुलासा करेंगे जो भारत समेत कई इस्लामिक देशों में तहलका मचा देगा। प्रबोवो सुबियांतो ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले मैंने अपना जेनेटिक सीक्वेंसिंग टेस्ट और डीएनए टेस्ट करवाया था। इन टेस्ट की रिपोर्ट आई तो मुझे पता चला कि मेरा डीएनए भारतीय है। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतोका डीएनए भारतीय निकला है।

प्रबोवो सुबियांतो का ये बयान सुनकर वहां बैठे पीएम मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी हैरान हो गए। राष्ट्रपति मुर्मू की ओर से आयोजित रात्रिभोज में सुबियांतो ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले मैंने अपना डीएनए परीक्षण करवाया और उन्होंने मुझे बताया कि मेरे पास भारतीय डीएनए है। ये हर कोई जानता है कि जब मैं भारतीय संगीत सुनता हूं तो मैं नाचना शुरू कर देता हूं। यह मेरे भारतीय जीन का हिस्सा होगा। इस बात पर प्रधानमंत्री मोदी समेत सभी मेहमान हंसी में डूब गए। उन्होंने कहा कि हमारी भाषा का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा संस्कृत से आया है। कई इंडोनेशियाई नाम संस्कृत नाम हैं। हमारे दैनिक जीवन में, प्राचीन भारतीय सभ्यता का प्रभाव बहुत मजबूत है। प्रबोवो सुबियांतो का बयान साबित करता है कि भारत का हिंदू धर्म कहां तक फैला था। सबके पूर्वज कौन थे? जानकारी के लिए बता दें कि 90 फीसदी मुस्लिम आबादी वाला इंडोनेशिया एक तरह से रामभक्त है। इंडोनेशिया में आज भी रामायण का मंचन होता है। इंडोनेशिया में हिंदू धर्म की जड़े काफी पुरानी हैं। बताया जाता है कि इंडोनेशिया में छोटे बड़े सब मिलाकर हजार से लेकर डेढ़ हजार तक मंदिर हैं। इंडोनेशिया पर एक समय में हिंदू राजा ही शासन करते थे। चोल साम्राज्य के राजाओं ने न केवल इंडोनेशिया बल्कि श्रीलंका, मलेशिया, मालदीव पर भी शासन किया था। यहां तक की अफगानिस्तान में भी हिंद राजा राज करते थे। कंबोडिया की बड़ी आबादी भी शिवभक्त थी। फिलिपींस और वियतमान में भी सनातन धर्म की छाप मिलती है। यहां तक की थाईलैंड में जो मंदिर है वहां भी हिंदू धर्म का प्रभाव दिखता है। यानी इन सभी देशों के लोगों का डीएनए टेस्ट करवाया जाए तो नतीजे चौंकाने वाले मिल सकते हैं। इन सब का डीएनए भारतीय ही निकल सकता है।

पहले अमेरिकी विमान को उतरने से रोका, ट्रंप ने चेताया तो ढीले पड़े कोलंबिया के तेवर, प्रवासी मुद्दे पर झुके पेट्रो

अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभालने के बाद से ही डोनाल्ड ट्रंप ने एक के बाद एक कई कड़े और बड़े फैसले लेकर दुनियाभर के देशों की टेंशन बढ़ा दी है। इसी बीच कोलंबिया और यूएस के बीच तनाव भी बढ़ गया। दरअसल, अमेरिका ने प्रवासियों से भरे दो मिलिट्री प्लेन कोलंबिया को भेजे थे, जिन्हें उतरने की इजाजत कोलंबिया ने दी ही नहीं। जिसके बाद ट्रंप ने कोलंबिया पर भारी टैरिफ के साथ प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंध लगते ही कोलंबिया ने यू टर्न ले लिया। प्रवासियों की वापसी पर ट्रंप की शर्तों पर अब सहमत भी हो गया। जिसके बाद ट्रंप ने कोलंबिया पर लगाए गए प्रतिबंधों को निलंबित करने की घोषणा कर दी है। व्हाइट हाउस का कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा बड़े प्रतिबंधों की धमकी के बाद कोलंबिया पीछे हट गया और सैन्य उड़ानों में स्वदेश लौटे नागरिकों को स्वीकार करने पर भी सहमत हो गया है। कोलंबिया की सरकार ने निर्वासित शरणार्थियों से भरे अमेरिकी विमानों को कोलंबिया में उतरने की इजाजत नहीं दी थी। उनका कहना था कि जिन विमानों से प्रवासियों को लाया गया था वे सैन्य विमान थे। कोलंबिया के राष्ट्रपति पैट्रो ने कहा था कि वे अपने नागरिकों को सिविल विमान से लाने पर स्वीकार करेंगे। उनके साथ अपराधियों जैसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए। प्रवासियों को सम्मान और गरिमा के साथ वापस भेजा जाना चाहिए। कोलंबिया सरकार के इस बयान के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया साइट ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि हम कोलंबिया को उसकी कानूनी जिम्मेदारी को अनदेखा करने की इजाजत नहीं देंगे। कोलंबिया को जबरन अमेरिका भेजे गए अपराधियों को वापस लेना पड़ेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका कोलंबिया के अधिकारियों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाएगा और तत्काल उनका वीजा रद्द किया जाएगा। ये प्रतिबंध कोलंबिया के साथ साथ उसके सहयोगियों और समर्थकों पर भी लागू होंगे। कोलंबिया की सरकार अमेरिका के साथ संपर्क में रहने का आश्वासन देते हुए कहा कि वे निर्वासित

नागरिंक का सम्मान सुनिश्चित करने के लिए जरूरी डील करने की कोशिश कर रहे हैं। कोलंबिया की सरकार ने प्रवासी मुद्दे को लेकर विशेष टीम बनाई है। अमेरिका से निर्वासित कोलंबियाई नागरिकों की सम्मानजनक वापसी सुनिश्चित करेगी। कोलंबिया ने एक यूनिफाइड कमांड पोस्ट का भी गठन किया है, जिसमें रक्षा मंत्रालय और राष्ट्रपति पद के प्रतिनिधि शामिल हैं। इस निकाय का उद्देश्य ऐसे प्रोटोकॉल स्थापित करना है, जो निर्वासित कोलंबियाई लोगों के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करे।

जर्मनी की चरमपंथी पार्टी एएफडी के खुलकर समर्थन में उतरे मस्क, आव्रजन के खतरे के प्रति किया आगाह

हैले, एजेंसी। दिग्गज अरबपति एलन मस्क अमेरिका में दक्षिणपंथी डोनाल्ड ट्रंप का सफल समर्थन करने के बाद अब जर्मनी की राजनीति में भी सक्रिय हो गए हैं। एलन मस्क जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी का समर्थन कर रहे हैं। शनिवार को एएफडी पार्टी ने आगामी चुनाव के लिए अपने चुनाव अभियान की शुरुआत की तो एलन मस्क ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित किया। हालांकि जर्मनी में ही एएफडी पार्टी का विरोध बढ़ रहा है और शनिवार को हजारों की संख्या में लोगों ने एएफडी पार्टी का विरोध किया। जर्मनी के हैले में एएफडी पार्टी के कार्यक्रम में बोलते हुए एलन मस्क ने पार्टी के प्रति अपना समर्थन जताया और आगामी 23 फरवरी को होने वाले चुनाव में एएफडी को सबसे बेहतर विकल्प बताया। मस्क के साथ इस कार्यक्रम में एएफडी पार्टी की नेता एलिस वीडेल भी शामिल हुईं। मस्क ने कहा कि श्जर्मनी के लोग खुद को जर्मन कहलाने पर गर्व महसूस करते हैं।श मस्क ने आव्रजन के मुद्दे पर भी बात की और कहा कि चुनाव में यह मुद्दा सबसे अहम होगा। मस्क ने आव्रजन के मुद्दे पर चेताते हुए कहा कि श्बहुसंस्कृतिवाद से सबकुछ धुंधला हो जाता है। हमें अपनी राष्ट्रीय पहचान को बचाने की जरूरत है।श मस्क ने ये भी कहा कि आगामी चुनाव पूरे यूरोप की किस्मत का फैसला करने वाला होगा और ये पूरी दुनिया के लिए भी अहम है।

दक्षिण कोरिया में पक्षी के टकराने से हुआ था विमान हादसा, इंजन में मिले पंख और खून के धब्बे

सियोल, एजेंसी। पिछले महीने दक्षिण कोरिया में हुए भीषण विमान हादसे की असली वजह सामने आ गई है। हादसे की जांच कर रहे अधिकारियों ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि विमान के इंजन से पक्षी टकराया था। इसके बाद विमान अनियंत्रित हो गया। सोमवार को जारी की गई रिपोर्ट में सामने आया कि विमान के दोनों इंजन में पक्षी के पंख और खून के धब्बे मिले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रवासी बतख बैकाल डील हो सकती है। इंजन से मिले पंख और खूब के धब्बे के नमूने विशेष संगठनों को भेजे गए हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया हादसे से चार मिनट पहले विमान के ब्लैक बॉक्स ने रिकॉर्डिंग बंद कर दी थी। पहले अधिकारियों ने बताया था कि हवाई यातायात नियंत्रकों ने हादसे से कुछ मिनट पहले विमान को पक्षी के टकराने के जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी। हादसे के बाद दक्षिण कोरिया ने एलान किया था कि जिस दीवार से विमान टकराया था, उसे हटाया जाएगा। मुआन हवाई अड्डे के कुछ विशेषज्ञों ने बताया था कि दीवार पर विमान को उतरने के लिए दिशा देने वाले एंटीना लगे हैं। इसने हादसे को और गंभीर बनाया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।